

18 दिनों से रिक्त है बीईओ का पद , बैगा अंचल की शिक्षा व्यवस्था हो रही प्रभावित

समय जगत, मण्डला। मण्डला जिले के बैगा अंचल मवई की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। विकासखंड में लगभग 18 दिनों से विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) का पद रिक्त होने के कारण शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं कई शासकीय विद्यालय शिक्षकविहीन अथवा एकल शिक्षक के भरोसे संचालित होने से आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, मवई में पदस्थ बीईओ 30 जून को सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन अब तक नए अधिकारी की पदस्थापना नहीं की गई है। इसके चलते सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े लंबित प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पा रहा है। इसी बीच नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो चुका है, लेकिन शिक्षकों की पदस्थापना, विद्यालयों की व्यवस्थाएं तथा अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी प्रभावित बताई जा रही है। क्षेत्र के कई विद्यालयों में



शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है। अनेक स्कूल एकल शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ विद्यालय पूरी तरह शिक्षकविहीन हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई बाधित हो रही है। बीईओ का पद रिक्त होने से आवश्यक प्रशासनिक निर्णय समय पर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। विकासखंड शिक्षा कार्यालय से जुड़े विभिन्न वित्तीय एवं विभागीय कार्य भी लंबित बताए जा रहे हैं। इसका असर कार्यालयीन गतिविधियों के साथ-साथ विद्यालयों के संचालन पर भी पड़ रहा है। शिक्षा व्यवस्था में

आई इस सुस्ती को लेकर अभिभावकों और ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है, तब भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी का पद रिक्त रहना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का संकेत है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो इसका सीधा नुकसान बैगा अंचल के विद्यार्थियों को उठाना पड़ेगा। साथ ही यह सवाल भी उठता जा रहा है कि किन परिस्थितियों में ऐसे स्थानांतरण किए गए, जिनसे कई विद्यालय शिक्षकविहीन अथवा एकल शिक्षक के भरोसे रह गए। जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही बीईओ की नियुक्ति नहीं की गई, शिक्षकविहीन विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना नहीं हुई तथा स्थानांतरण प्रक्रिया की निष्पक्ष समीक्षा नहीं की गई, तो आदिवासी अंचल की शिक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावित होगी।

इनका कहना है-
मवई आदिवासी एवं बैगा बाहुल्य क्षेत्र है, जहां अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। ऐसे क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सहायक आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग द्वारा मवई में बीईओ की पदस्थापना एवं शिक्षकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे।
कमलेश तेकाम उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष जिला शिक्षा समिति
जिला पंचायत मण्डला
विकासखंड मवई में रिक्त चल रहे विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पद पर जल्द ही पदस्थापना की जाएगी। बीईओ की पदस्थापना की प्रक्रिया जारी है और आगामी दो-तीन दिनों के भीतर नियुक्ति आदेश जारी हो जावेगा।
डॉ. अरुण शुक्ला सहस्रक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, मण्डला

जिला अस्पताल डिंडौरी में फायर फाइटिंग डेमो का सफल आयोजन

आपदा प्रबंधन की तैयारियों का लिया जायजा

समय जगत, डिंडौरी। शासकीय जिला चिकित्सालय डिंडौरी में रविवार को अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को लेकर फायर फाइटिंग डेमो (डेमोंस्ट्रेशन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, नगर परिषद डिंडौरी की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन तथा ओम अश्विनी इफास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि गौरव सिंह बघेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल में फायर फाइटिंग सिस्टम का इंस्टॉलेशन ओम अश्विनी इफास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। डेमो के दौरान फायर ब्रिगेड दल एवं विशेषज्ञों द्वारा आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, अग्निशमन यंत्रों के प्रभावी उपयोग,



मरीजों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वित कार्यवाही का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे प्रशिक्षण को गंभीरता से देखा तथा अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत

आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच, रखरखाव एवं कर्मचारियों का समय-समय पर प्रशिक्षण कराया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी और नियमित अभ्यास सबसे महत्वपूर्ण है। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करते हुए किसी भी आपात स्थिति में समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर ने जिला अस्पताल परिसर में स्थापित अग्नि सुरक्षा उपकरणों, फायर अलार्म सिस्टम, हाइड्रेंट एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर उनकी कार्यशीलता का जायजा लिया।

साक्षिप्त समाचार

पार्थ को चित्रकारी में मिला प्रथम पुरस्कार, लोगों द्वारा दी गई बधाई



समय जगत, भोपाल। राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ निवासी रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी एसपी व्यास के पोते पार्थ ने कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों की चित्रकारी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी श्री व्यास ने अपने पोते की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है, वहीं लोगों ने पार्थ, रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी श्री व्यास एवं उनके परिवार को बधाई दी है।

सुंदरकांड पाठ के साथ पौधारोपण एवं महाप्रसादी का आज होगा आयोजन



समय जगत, भोपाल। परम कृपालु बाल स्वरूप हनुमान जी की असीम कृपा से बाल स्वरूप हनुमान मंदिर ओरा मॉल के पास, भोपाल में आज 21 जुलाई को प्रातः 11 बजे से श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। इसके पश्चात पौधारोपण एवं महाप्रसादी का कार्यक्रम संपन्न होगा। धार्मिक- आध्यात्मिक एवं पर्यावरण हितैषी इस कार्यक्रम के आयोजक ममता श्रीवास्तव एवं ब्रजेश श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में लोगों से शामिल होने एवं पौधारोपण करके प्रकृति सेवा का संकल्प लेने का आग्रह किया है।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव में हुआ पौधारोपण

समय जगत, डिंडौरी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम युनिट-4 एमपी सीटीआर एनसीसी, जबलपुर (मध्यप्रदेश) के कांटाडिंग ऑफिसर कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे के संरक्षण, एमओ ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता सिंह के मार्गदर्शन, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अंशुका विश्वकर्मा के नेतृत्व तथा एसोसिएट एनसीसी चौक ऑफिसर श्रीमती अनुष्मा पी. सुंदरम की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में एनसीसी के लगभग 50 कैडेटों, जिनमें 23 छात्र एवं 27 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया।

इंद्रदेव की बेरुखी से सूखे हालात, धान की रोपाई पर संकट-रायसेन के किसान परेशान

समय जगत, औबेदुल्लागंज। जिले में इस वर्ष मानसून की धीमी रफ्तार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इंद्रदेव की नाराजगी के चलते पर्याप्त बारिश नहीं होने से धान की रोपाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। खेतों में पानी की कमी के कारण किसान अपने धान के गढ़ों में रोपाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे फसल पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। किसानों का कहना है कि यदि आगले 8-10 दिनों के भीतर अच्छी बारिश नहीं हुई तो इस सीजन की धान की फसल पूरी तरह खराब हो सकती है। रायसेन जिले में हर साल लगभग 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपाई होती है, लेकिन इस बार बारिश की कमी के चलते अब तक अधिकांश

किसान रोपाई शुरू नहीं कर पाए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति चिंताजनक है। पिछले वर्ष 1 जून से 15 जुलाई तक जिले में 569.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में मात्र 224.2 मिमी बारिश हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1197 मिमी मानी जाती है, जिससे साफ है कि इस बार बारिश काफी कम हुई है। बारिश की कमी का असर किसानों के चेहरों पर साफ दिखाई दे रहा है। खेत सूखे पड़े हैं और किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का कहना है अगर जल्द बारिश नहीं हुई तो धान की रोपाई संभव नहीं होगी और हमारी पूरी फसल चौपट हो जाएगी।

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा ग्राम धोलका के 24 घरों में किया गया गायत्री महायज्ञ

समय जगत, रतलाम। अखिल विश्व गायत्री परिवार की रतलाम शाखा द्वारा ग्राम धोलका के 24 घरों में एक साथ एक समय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराया गया। गायत्री परिजनों ने मिलकर त्रिवेणी रोपण किया और सभी यजमानों को एक एक पौधा भेंट किया। उल्लेखनीय है कि गायत्री परिवार की अधिष्ठात्री माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी अनुयाज कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में गायत्री परिवार द्वारा विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं। संस्कार परम्परा पुनर्जीवन अभियान के उद्देश्य के साथ यजमान परिवार के सदस्यों में व्यसनमुक्ति एवं कुरुति उन्मूलन के संकल्प, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरण के सद्प्रयास किये जाते हैं।



जन्मदिवस, विवाह दिवस, पुंसवन, अन्नप्राशन, नामकरण, विद्यारम्भ इत्यादि

जैविक हाट बाजार में 49 हजार 210 रुपये से अधिक के जैविक उत्पादों का हुआ विक्रय

रतलाम। जिले में रविवार को आयोजित जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार में किसानों द्वारा लाए गए जैविक उत्पादों को उपभोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक खरीदा। हाट बाजार में विभिन्न विकासखंडों से आए पांच जैविक किसानों ने अपने उत्पादों का विक्रय किया, जिससे कुल 49 हजार 210 रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। धामनोद से आए किसान श्री चंद्रभानु ने जैविक अनाज, दालें, सब्जियां, फल, एवं मूंगफली का 20 हजार 800 रुपये का विक्रय किया। वहीं सादाखेड़ी के श्री दिलीप धाकड़ ने शहद का 6 हजार 370 रुपये, करिया के श्री दिलीप पाटीदार ने देसी घी का 20 हजार रुपये, रतलाम के श्री प्रवीण पटेल ने 1 हजार 240 रुपये तथा श्री तेजराम सांकला ने जैविक सब्जियों का 8 सौ रुपये का विक्रय किया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार का उद्देश्य किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण एवं रसायनमुक्त खाद्य सामग्री पहुंचाना है।

अवैध शराब के खिलाफ जनआंदोलन की जरूरत लोग जागरुकतापूर्वक करें पहल: विधायक

युवाओं का भविष्य बचाने और नशामुक्त निवास बनाने के लिए जनता से एकजुट होकर विरोध करने की अपील

समय जगत, मंडला। निवास क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवैध शराब के कारोबार को लेकर विधायक प्रतिनिधि इलियास खान ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पुलिस और आबकारी विभाग समय-समय पर कार्रवाई कर अवैध शराब जन्म करते हैं, औरोंपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण भी दर्ज किए जाते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों बाद वही कारोबार दोबारा शुरू हो जाता है। इससे स्पष्ट है कि समस्या की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। इलियास खान ने कहा कि अवैध शराब का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि

समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। इससे अपराध बढ़ने की आशंका रहती है, अनेक परिवार बर्बाद हो रहे हैं और जहरीली शराब जैसी घटनाओं का जोखिम भी बना रहता है। उन्होंने कहा कि यदि बार-बार कार्रवाई के बावजूद स्थिति नहीं बदल रही है तो पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि कहीं विभागीय लापरवाही, मिलीभगत या निगरानी में कमी है तो उसकी निष्पक्ष जांच भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लगातार नशामुक्त अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में अवैध शराब का गोरखधंधा नहीं रुक पा रहा है। ऐसे में पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन को समन्वित एवं



अभियान चलाया जाए और गांव-गांव इस कारोबार का विरोध किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि जनता दृढ़ संकल्प के साथ इस मुहिम से जुड़ती है तो किसी भी माफिया का प्रभाव टिक नहीं पाएगा। उनका विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से निवास क्षेत्र को अवैध शराब मुक्त बनाकर पूरे जिले ही नहीं, बल्कि प्रदेश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया जा सकता है।

दीर्घकालिक रणनीति बनाकर इस कारोबार को जड़ से समाप्त करना होगा। विधायक प्रतिनिधि इलियास खान ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अवैध शराब के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जाए और गांव-गांव इस कारोबार का विरोध किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि जनता दृढ़ संकल्प के साथ इस मुहिम से जुड़ती है तो किसी भी माफिया का प्रभाव टिक नहीं पाएगा। उनका विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से निवास क्षेत्र को अवैध शराब मुक्त बनाकर पूरे जिले ही नहीं, बल्कि प्रदेश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया जा सकता है।

पत्रकार सलमान की हत्या के आरोपी सरफराज शाहनवाज, एवं शफीक को आजीवन कारावास

समय जगत, सारंगपुर। न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश महोदय पीठसीन अधिकारी श्री अतुल राज भलावी ने न्यायालय में प्रचलित प्रकरण क्रमांक 86/2025 अंतर्गत धारा 103(1), 61(2)(3) (5) भारतीय न्याय संहिता एवं आयुध अधिनियम 25 एवं 27 से उद्भूत प्रकरण में अभियुक्त सरफराज, शाहनवाज, एवं शफीक निवासी सारंगपुर थाना सारंगपुर जिला राजगढ़ को धारा 103(1)बी एन एम में आजीवन कारावास से 3000-3000 हजार रुपए के अर्थ दंड एवं धारा 61(2) भारतीय न्याय संहिता में पांच - पांच वर्ष के कठोर कारावास एवं 71000-1000 के अर्थ दंड से दंडित किया एवं 25(1) (क) एवं 27 आयुध अधिनियम में सरफराज को

7वर्ष एवं 5 का कारावास एवं 2000 एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया। घटना की जानकारी देते हुए शासन की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक शिव प्रसाद शर्मा ने बताया कि घटना दिनांक 17/9/2024 को रात को 9 बजे सलमान नेहरू पार्क के सामने अपने लड़के के साथ खड़ा था तभी तीन युवकों ने मोटर साइकिल पर आ कर सलमान अली के सिर पर गोली मार दी मृतक के भाई अजीम की सूचना पर से पुलिस थाना सारंगपुर ने अपराध पंजीकृत कर प्रथम सूचना लेख बद्ध की उक्त प्रकरण पुलिस अधीक्षक जिला राजगढ़ के द्वारा चिन्हित प्रकरण की सूची में लिया गया था अभियोजन द्वारा उक्त प्रकरण में 24 गवाह माननीय

न्यायालय में कराए गए । माननीय न्यायालय द्वारा मृतक सलमान के पुत्र सुफियान जो की घटना स्थल पर मौजूद था एवं घटना का साक्षी था की गवाही को सही मानते हुए एवं वैज्ञानिक परीक्षण की रिपोर्ट एवं अन्य साक्षी गण के कथन से अभियुक्त सरफराज द्वारा सह अभियुक्त शफीक एवं शाहनवाज से मिलकर अपराधिक षडयंत्र कर देसी कट्टे से सलमान अली के सिर में गोली मार कर उसकी हत्या की इस कारण माननीय न्यायालय ने अभियुक्त गण को आजीवन कारावास एवं अर्थ दण्ड से दंडित किया। प्रकरण में शेष अभियुक्त सलमत एवं नासिर को साक्ष्य के अभाव में न्यायालय ने दोष मुक्त किया।

नगर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सीएमओ ने सफाई कार्य का किया औचक निरीक्षण

समय जगत, सारंगपुर। नगर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आमजन को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) दीपक कुमार रानवे के द्वारा दोपहर कालीन सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वाडों और मुख्य मार्गों पर चल रहे सफाई कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सफाई व्यवस्था में पाई गई कमियों पर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित स्वच्छता निरीक्षकों व सफाई कर्मियों को सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ने सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएमओ द्वारा निर्देशित किया गया कि, सड़कों के किनारे या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा न होने दिया जाए, उसे तुरंत कचरा वाहनों के

माध्यम से र्ट्रेंचिंग ग्राउंड भिजवाया जाए। सीएमओ ने नगर वासियों से भी अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में नगरपालिका का सहयोग करें और कचरा हमेशा डस्टबिन या कचरा गाड़ी में ही डालें। कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।



माध्यम से र्ट्रेंचिंग ग्राउंड भिजवाया जाए। सीएमओ ने नगर वासियों से भी अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में नगरपालिका का सहयोग करें और कचरा हमेशा डस्टबिन या कचरा गाड़ी में ही डालें। कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विंध्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था, शासन की मंशा पर फिरा पानी

रीवा। विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय लाखों लोगों के लिए बेहतर इलाज की उम्मीद का केंद्र माने जाते हैं। रीवा सहित सीधी, सिंगरौली, सतना, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर तथा आसपास के जिलों से प्रतिदिन हजारों मरीज यहां इलाज के लिए पहुंचते हैं। लेकिन इन अस्पतालों की वर्तमान स्थिति मरीजों और उनके परिजनों के लिए लगातार चिंता का विषय बनती जा रही है। अस्पतालों में दवाओं की कमी, आवश्यक जांचों का समय पर न होना, डॉक्टरों की अनियमित उपस्थिति, ऑपरेशन संबंधी संसाधनों का अभाव तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है। इसके साथ ही सुपर स्पेशलिटी में अत्यधिक भीड़ होने के कारण बेड की कमी से जूझ रहा है। वेड की कमी के कारण मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। सोमवार को ओपीडी की भीड़ ने यह साबित कर दिया कि लोगों का भरोसा सरकारी अस्पताल में जरूर बढ़ा है। लेकिन खून की जांच, पंजीयन, टोकन नंबर और पर्ची प्राप्त करना इतना कठिन है कि मरीज के परिजन खुद यहां आकार या तो खुद बीमार हो जाते हैं या फिर निजी अस्पताल का रूख करते हैं। चूंकि यहां पहले आभा केयर से टोकन प्राप्त करें इसके बाद दूसरी लाइन में लगकर पर्ची प्राप्त करें, इसके बाद तीसरी लाइन में लगकर डाक्टर के पास पहुंचे, किसी तरह डाक्टर के पास पहुंचे तो चौथी लाइन में लगकर खून, जांच, पेशाव



जांच की लाइन में लगे, इसके बाद दवाईयों की लाइन में लगे। दूर दराज से आया हुआ मरीज सुबह

6 बजे अस्पताल पहुंच तो जाता है लेकिन उसके मरीज को इलाज दूसरे या तीसरे दिन ही मिलता है।

हालांकि पर्चा 15 दिनों के वैध होता है लेकिन सरकारी तो सरकारी ही है।

सरकारी अस्पतालों में मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को यहां पहुंचने के बाद कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में पंजीयन कराने से लेकर डॉक्टर को दिखाने, जांच कराने और दवा प्राप्त करने तक हर चरण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध न होने वाली दवाइयां निजी मेडिकल स्टोर से खरीदनी पड़ रही हैं, जबकि कई जांचों के लिए निजी पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक सेंटर का सहारा लेना पड़ रहा है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि

डॉक्टर द्वारा लिखी गई कई दवाइयां अस्पताल के मेडिकल स्टोर में उपलब्ध नहीं होतीं। दवा काउंटर पर पहुंचने के बाद मरीजों को बताया जाता है कि संबंधित दवा स्टॉक में नहीं है। इसके बाद उन्हें अस्पताल परिसर के बाहर स्थित निजी मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदनी पड़ती है। गरीब परिवारों के लिए यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन जाता है। कई मरीज ऐसे हैं जो पहले ही गांव से किराया खर्च कर अस्पताल तक पहुंचे होते हैं। ऊपर से दवा खरीदने और जांच कराने में हजारों रुपये खर्च होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो जाती है। कई बार मरीज पैसे की कमी के कारण डॉक्टर द्वारा लिखी गई पूरी दवा भी नहीं खरीद पाते, जिससे उपचार प्रभावित होता है।

हर दिन सीएम हेलपलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए 30 मिनट देंगे तो सुधरेगी ग्रेडिंग : श्री सूर्यवंशी

ई आफिस और जनसुनवाई में लापरवाही बरतने वालों का कटेगा वेतन: कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट सभावार में आयोजित बैठक में सीएम हेलपलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेलपलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए यदि 30 मिनट का समय दे दें तो कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहेगा। विभाग की ग्रेडिंग में भी सुधार होगा। हर महीने की 5 तारीख तक 75 प्रतिशत तथा 10 तारीख तक 80 प्रतिशत ग्रेडिंग अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। अपने अधीनस्थ अधिकारियों से सीएम हेलपलाइन प्रकरणों के निराकरण की प्रतिदिन जानकारी लें। शिकायतों का बोझ अपने सर पर रखकर न बैठें। इनका समुचित निराकरण करें। जनसुनवाई के आवेदन पत्रों के निराकरण की भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। जनसुनवाई में जिन अधिकारियों ने लापरवाही बरती है उन पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने तहसीलदार ल्योथर, सेमरिया, सिरमौर, मनगवा, जवा तथा गुड्डा जनसुनवाई के आवेदनों का निराकरण न करने पर उनका वेतन काटने के



निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन एक अथवा दो तहसील के एसडीएम, तहसीलदार तथा शिकायत के प्रभागी कलेक्ट्रेट में उपस्थित होकर सीएम हेलपलाइन और जनसुनवाई के आवेदनों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विधानसभा प्रश्नों का सभी अधिकारी तत्काल उत्तर दें। प्रश्नों के उत्तर ऑनलाइन दर्ज कराने के साथ उसकी एक प्रति कलेक्टर कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। विधानसभा के ध्यानाकर्षण प्रश्नों का उत्तर 24 घंटे की समय सीमा में दें। प्रश्न के संबंध में समुचित कार्यवाही

करके तथ्यपरक प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। टीएल पत्रों का निराकरण करके तय समय सीमा में प्रतिवेदन दें। ल्योथर, जवा तथा रायपुर कर्चुलियान के एसडीएम तथा तहसीलदार जवा के पास समय सीमा में निराकरण न होने वाले पत्र बड़ी संख्या में लंबित हैं। इन पर कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। ई आफिस के माध्यम से ही समस्त फाइलें और पत्र भेजें। इसकी प्रगति भी संतोषजनक नहीं है।

ई आफिस से फाइल न भेजने पर कलेक्टर ने प्राचार्य आईटीआई, सचिव कृषि उपज मंडी, जिला खेल अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी

के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में समय पर जवाब और दावा प्रस्तुत करें। अवमानना प्रकरणों में तत्काल न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए जवाब-दावा कोर्ट में प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष के भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। स्वरोजगार योजनाओं में निर्धारित वार्षिक लक्ष्य से 25 प्रतिशत अधिक प्रकरण 15 अगस्त तक बैंकों में दर्ज करा दें। इन प्रकरणों को 31 अगस्त तक बैंकों से स्वीकृत करारकर 15 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत वितरण करा दें। रोजगार प्रकरणों के निराकरण की 21 जुलाई को शाम 5 बजे से आयोजित बैठक में समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि सभी अधिकारी 31 जुलाई से पूर्व आईगांट पोर्टल के माध्यम से कम से कम एक प्रशिक्षण अवश्य ले लें।

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त कई सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद

- रिर्कोर्डिंग का बैकअप भी ठप, हजारों यात्रियों की सुरक्षा पर उठे सवाल
- फुट ओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म पर चल रहे निर्माण से कनेक्शन कटें, RPF की मॉनिटरिंग व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित

रीवा। पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख और सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले स्टेशनों में शामिल रीवा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। स्टेशन परिसर में लगे कई सीसीटीवी कैमरे काफी समय से बंद पड़े हैं। जो कैमरे चालू भी हैं उनमें भी रिर्कोर्डिंग का बैकअप नहीं हो पा रहा है। इस कारण रेलवे सुरक्षा बल RPF की मॉनिटरिंग व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है। स्टेशन पर रोजाना लगभग 30 ट्रेनों का संचालन होता है और हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे संवेदनशील स्थान पर सीसीटीवी का बंद होना यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

निर्माण कार्य से कटा कनेक्शन, ठप हुई निगरानी: जानकारी के अनुसार फुट ओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण कई सीसीटीवी कैमरों के कनेक्शन कट गए हैं। इसी वजह से कैमरे बंद हो गए और जो चालू हैं उनमें भी डेटा का बैकअप नहीं मिल पा रहा है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान पर सीसीटीवी ही अपराध

रोकथाम और जांच का सबसे बड़ा आधार होते हैं। कैमरों के बंद होने से चोरी, जेबकतरी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर नजर रखना मुश्किल हो गया है।

रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजही: रीवा स्टेशन पश्चिम मध्य रेलवे को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले प्रमुख स्टेशनों में से एक है। यहां से प्रतिदिन करीब 30 ट्रेनें गुजरती हैं। सुबह-शाम के समय प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का चाक-चौबंद होना जरूरी है।

सुरक्षा पर उठे सवाल: रेलवे अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कैमरों को फिर से चालू कर दिया जाएगा। लेकिन तब तक हजारों यात्रियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी, यह बड़ा सवाल है। यात्रियों ने भी रेल प्रशासन से जल्द वैकल्पिक सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है। रेलवे प्रशासन से अपेक्षा है कि वह निर्माण कार्य के दौरान भी अस्थायी तौर पर सीसीटीवी और अतिरिक्त आरपीएफ जवानों की तैनाती कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से 450 से ज्यादा बंडल गायब, 35 लाख से अधिक की पुस्तकों का हिसाब नहीं

सरकारी किताबों का बड़ा घोटाला हुआ उजागर

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को निशुल्क वितरित की जाने वाली किताबों के गायब होने का बड़ा मामला सामने आया है। पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से 450 से अधिक बंडल किताबें लापता होने की आशंका जताई गई है। इनकी अनुमानित कीमत 35 से 36 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले के सामने आते ही विभाग में हड़कंप मच गया है। शिकायत के आधार पर चोरहटा थाने में मामला दर्ज कराया गया है, जबकि भोपाल मुख्यालय से तीन सदस्यीय जांच टीम रीवा पहुंच गई है।

गोदाम में रखी किताबों का रिकॉर्ड और स्टॉक बराबर नहीं: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोदाम में रखी बड़ी संख्या में सरकारी किताबों का रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक मेल नहीं खा रहा है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल करीब 450 से अधिक बंडल गायब होने की आशंका है। हालांकि, वास्तविक संख्या और नुकसान का आंकड़ा जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

चोरहटा थाने में शिकायत दर्ज: मामले की गंभीरता को देखते हुए पाठ्य पुस्तक निगम ने चोरहटा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं भोपाल स्थित मुख्यालय से भेजी गई तीन सदस्यीय टीम गोदाम में मौजूद किताबों का भौतिक सत्यापन कर रिकॉर्ड का मिलान कर रही है। **कर्मचारियों समेत अन्य लोगों पर शक:** आशंका जताई जा रही है कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मुफ्त में वितरित की जाने वाली इन किताबों को अवैध रूप से बाजार में बेच दिया गया हो। विभाग ने गोदाम में कार्यरत कुछ कर्मचारियों सहित अन्य लोगों की भूमिका पर भी संदेह जताया है।

विभागीय जांच जारी: पुलिस जल्द ही गोदाम से जुड़े कर्मचारियों और अन्य संदिग्धों से पूछताछ कर सकती है। वहीं विभागीय जांच भी समानांतर रूप से जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किताबें कैसे गायब हुईं और इस पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका रही।

नीट परीक्षा में 567 नंबर हासिल कर पलक ने विंध्य क्षेत्र को किया गौरवान्वित



रीवा। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी रतकरा निवासी अयोध्या प्रसाद मिश्रा की पोती पलक मिश्रा ने नीट परीक्षा 2026 में 567 नंबर प्राप्त कर समूचे रीवा सहित विंध्य क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनाईन मिश्रा विधायक नरेंद्र प्रजापति सहित रीवा जिले के सुप्रसिद्ध शिक्षित अजय मिश्रा सहित आमजनो ने पलक मिश्रा को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। ज्ञात हो कि पलक मिश्रा के पिता का निधन बहुत पहले हो चुका था, बाबा अयोध्या प्रसाद मिश्रा ने पलक मिश्रा की पढ़ाई में योगदान दिया जिसकी बदौलत पलक ने सफलता हासिल की।

सार-समाचार

अनुकंपा नियुक्ति मिलने पर आई चेहरे पर खुशी



विदिशा। सोमवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा अनुकंपा नियुक्ति पत्र भेंट किया गया। गंजबासौदा निवासी आर्या दुबे के पिता बाल कृष्ण दुबे सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला ग्राम पचमा ब्लाक गंज बासौदा का स्वर्गवास होने के उपरांत महिला बाल विकास के द्वारा बालकृष्ण दुबे की पुत्री आर्या दुबे को सहायक ग्रेड 3 से जटा एंटी ऑपरिटर के पद पर अनुकंपा नियुक्ति विधिवत कार्यवाही कर की गई है। शिक्षक बालकृष्ण दुबे की चार बेटियां थीं, जिसमें उनकी माता ज्योति दुबे द्वारा आर्या दुबे को अनुकंपा नियुक्ति हेतु लिखित सहमति व्यक्त की गई थी। जिसमें संपूर्ण जानकारी को जुटाने के उपरांत कलेक्टर द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता कांसवा एवं स्थापना शाखा महिला बाल विकास विदिशा के द्वारा रुधि लेकर रिक्त पद महिला एवं बाल विकास परियोजना बासौदा 2 जिला विदिशा में सहायक ग्रेड 3 के पद पर नियुक्ति की गई। कलेक्टर द्वारा समय सीमा में लिपिक गर्ग हेतु पात्रता परीक्षा पास करने हेतु निर्देश दिये और उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से युवक की सदित्थ मौत

विदिशा। ग्यारसपुर तहसील अंतर्गत हैदरगढ़ थाने के ग्राम कोलुआ धामनोद में सदित्थ परिस्थितियों में हुई युवक की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार को लगभग रात के 12 बजे नितेश यादव पिता रूप सिंह यादव उम्र 35 वर्ष की ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौत होने की घटना की सूचना मिलते ही हैदरगढ़ थाना से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक नितेश यादव ट्रैक्टर किराए पर चलाता था। रविवार को ग्राम के ही व्यक्ति के खेत पर ट्रैक्टर चलाने के लिए गया हुआ था, लेकिन रात्रि में ट्रैक्टर के नीचे दब जाने के कारण उसकी मौत हो गई। इस दौरान परिजनों ने आरोप लगाया कि मृतक नितेश यादव को ग्राम के चार लोग अपने साथ डीजल लाने का बोलकर ले गए थे, लेकिन सदित्थ परिस्थितियों में उसकी मौत होने की घटना से परिवार के लोग काफी दुखी हैं और परिवार के लोगों को समझ में नहीं आ रहा कि आगे इतनी बड़ी घटना के पीछे क्या सच्चाई है। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होना चाहिए और जो लोग भी इस मामले में दोषी हैं उन पर कार्रवाई होना चाहिए। इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच सामने आ सकेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पोस्टमार्टम करारकर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस दौरान परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

समय जगत, विदिशा। सोमवार को नटेरन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला कांग्रेस प्रभारी राजेश रघुवंशी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष कमल सिलाकारी, संगठन महामंत्री गोविंद भागव, विधानसभा प्रभारी निर्मल पुरोहित, पूर्व जनपद अध्यक्ष इंद्र सिंह यादव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष नागेंद्र सिंह बजा एवं नटेरन ब्लॉक के समस्त नेतागण समस्त पदाधिकारी समस्त मंडल अध्यक्ष और जिला पदाधिकारी ने सहभागिता की। राजेश रघुवंशी ने संघटन को मजबूत करने समनव्यता वह एकता के साथ गांव-गांव जाकर कांग्रेस की विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को दिया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रथ यात्रा में भगवान राधा कृष्ण और राम सीता के स्वरूप की निकाली गई झांकी

इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित हुई भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा

समय जगत, विदिशा। सोमवार को नगर के इस्कॉन मंदिर द्वारा नगर में भव्य भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें नगर के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और अपने हाथों से भगवान जगदीश स्वामी का रथ खींचते हुए जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। रथ यात्रा में भगवान राधा कृष्ण और राम सीता के स्वरूप की झांकी निकाली गई।

देवी के बाग से प्रारंभ हुई भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा नगर का भ्रमण करते हुए अहमदपुर रोड स्थित स्कॉन मंदिर पर समापन हुआ। सोमवार को गुलाब वाटिका देवी का बाग से दोपहर 3.30 बजे से इस्कॉन मंदिर के सदस्यों द्वारा भगवान जगदीश स्वामी की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान रथ पर सवार भगवान जगदीश स्वामी बलभद्र और सुभद्रा की पूजा अर्चना की गई। वरिष्ठ समाज सेवी



मनोज कटोरे रथ यात्रा में शामिल हुए और उनके द्वारा पूजा अर्चना की गई। इसके साथ ही लोगों ने रथ से बनी हुई रस्सी को अपने हाथों में थामा और भगवान जगदीश स्वामी के जयकारे लगाते हुए रथ को खींचना प्रारंभ किया। जैसे ही रथ को लोगों द्वारा खींचना प्रारंभ किया गया

तो भगवान इंद्र द्वारा भी भगवान जगदीश स्वामी का जलाभिषेक करने के लिए बारिश प्रार्थन हो गई और देखते ही देखते बारिश तेज होने लगी, लेकिन भक्तों की आस्था के आगे बारिश फोकी पड़ गई और लोग अपने हाथों से भगवान जगदीश स्वामी का रथ खींचते हुए आगे बढ़ते



जा रहे थे। इस दौरान भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा गुलाब वाटिका, बड़ा बाजार,

तिलक चौक, माधवगंज, खरीफाटक रोड, ओवर ब्रिज होते हुए पीतल मिल से अहमदपुर चौराहा और अहमदपुर रोड इस्कॉन मंदिर पहुंची। यहां पर पूजा अर्चना के साथ रथ यात्रा का समापन किया गया और यात्रा में शामिल लोगों के लिए प्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही नगर में जैसे ही भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा पहुंची तो बड़ी संख्या में लोग भगवान जगदीश स्वामी के दर्शन करने के लिए लाइन लगाकर खड़े हुए थे और भगवान जगदीश स्वामी के जयकारे लगाते हुए रथ यात्रा में शामिल हुए। जगह-जगह रथ यात्रा का लोगों ने पुष्प वर्षा और पूजा अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। वहीं ढोल और डीजे पर भक्ति भजनों पर युवा नाचते गाते हुए भगवान जगदीश स्वामी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

संपादकीय

उत्तराखंड में तेजी से बढ़ रहा है पलायन

देश के महत्वपूर्ण राज्य उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में लोगों को खेतों में कम फायदा होने और जमीन की उपजाऊ क्षमता घटने के कारण रोजगार की तालश में लोगों का शहरों की ओर पलायन तेजी से बढ़ रहा है। उत्तराखंड को प्रकृति ने अपार सौंदर्य, घने जंगल, स्वच्छ जलस्रोत और उपजाऊ सीढ़ीदार खेतों का वरदान दिया है। कभी यही खेत पहाड़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते थे। मंडुबा, झंगोप, गहत, चावल, मक्का और अन्य परंपरिक फसलें न केवल लोगों की आजीविका का आधार थीं, बल्कि पहाड़ी संस्कृति और जीवनशैली की पहचान भी थीं। आज वही खेत तेजी से बंजर होते जा रहे हैं। गांव खाली हो रहे हैं, खेतों से लोगों का भरोसा उठ रहा है और रोजगार की तलाश में युवा पहाड़ छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। यह केवल कृषि संकट नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सबसे बड़ी चुनौती आजीविका के सीमित साधन हैं। राज्य का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पर्वतीय है और आधे से अधिक लोग इन्हीं इलाकों में रहते हैं। यहां उद्योगों का विकास सीमित है और सरकारी नौकरियां भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में खेती और पशुपालन ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों का योगदान लगातार घटा है। एक समय राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और पशुपालन का योगदान लगभग 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 9 प्रतिशत के आसपास रह गया है। अल्मोड़ा और पौड़ी जैसे जिलों में सबसे अधिक खेत खेती से बाहर हो चुके हैं। जिन सीढ़ीदार खेतों में कभी हरियाली लहलहाती थी, वे अब घास और झाड़ियों से भर गए हैं। गांवों के आसपास फैले खेत चारागाह में बदलते जा रहे हैं। यह दृश्य केवल कृषि संकट का नहीं बल्कि पहाड़ की बदलती सामाजिक तस्वीर का भी संकेत है। यहां जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है। जंगलों से निकलकर बंदर, लंगूर, पूरी फसल नष्ट कर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि शासन स्तर पर इस इलाके के लिये प्रभावी नीतियां बनाकर उनका परिणामदायक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। ताकि खेती लाभ का व्यवसाय बन सके और जरूरतमंदों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके।

धैर्य और संयम से हर कार्य में मिलती है सफलता

कातिलाल मांडोत

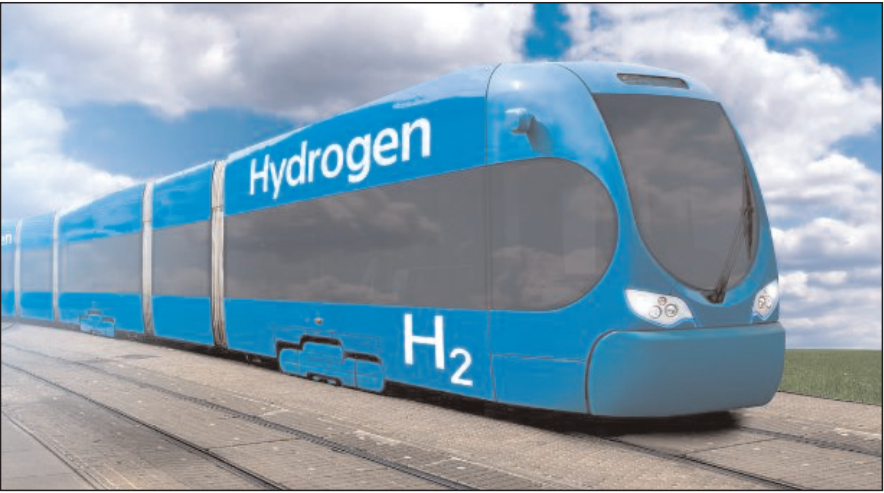
जीवन का प्रत्येक क्षण मनुष्य की परीक्षा लेता है। कभी परिस्थितियों अनुकूल होती हैं तो कभी संकटों के बादल चारों ओर छा जाते हैं। ऐसे समय में मनुष्य की वास्तविक शक्ति उसके धन वैभव या बाहुबल से नहीं बल्कि उसके धैर्य से पहचानी जाती है। धैर्य वह शक्ति है जो व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देती और उसे लक्ष्य तक पहुँचने का साहस प्रदान करती है। यही कारण है कि हमारे ऋषि मुनियों ने धैर्य को सफलता का मूल मंत्र बताया है। कहा भी गया है कि धैर्य का फल संदेव मीठा होता है क्योंकि जो व्यक्ति विपत्ति में भी संयम बनाए रखता है अंततः विजय उसी के चरण चूमती है। धैर्य केवल प्रतीक्षा करने का नाम नहीं है बल्कि सही समय तक निवेकपूर्वक अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने की कला है। अधीर व्यक्ति छोटी-सी बाधा से घबरा जाता है और अपने लक्ष्य से भटक जाता है जबकि धैर्यवान व्यक्ति हर कठिनाई को सीख में बदल देता है। वह जानता है कि संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता भी उसनी ही गौरवपूर्ण होगी। जीवन के हर क्षेत्र में चाहे शिक्षा हो व्यापार हो समाज सेवा हो या आध्यात्मिक साधना धैर्य के बिना कोई भी उपलब्धि स्थायी नहीं हो सकती। आज का युग तेज गति का युग है। हर व्यक्ति कम समय में अधिक पाने की इच्छा रखता है। यही जल्दबाजी अनेक बार असफलता का कारण बन जाती है। बिना सोचे समझे लिया गया निर्णय व्यक्ति को ऐसी कठिनाइयों में डाल देता है जिनसे निकलना आसान नहीं होता। इसके विपरीत धैर्यपूर्वक सोच विचार कर उद्योग गया कदम सफलता की मजबूत नींव बनता है। धीरे धीरे आगे बढ़ने वाला व्यक्ति भले ही देर से मंजिल तक पहुँचे लेकिन वह सुरक्षित और स्थायी सफलता प्राप्त करता है। यही कारण है कि अनुभव और इतिहास दोनों धैर्य को जीवन का सबसे बड़ा मित्र मानते हैं। धैर्य आत्मविश्वास की जननी भी है। जब मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी स्वयं पर विश्वास बनाए रखता है तब उसके भीतर नई ऊर्जा का संचार होता है। संकट उसे कमजोर नहीं बल्कि और अधिक मजबूत बनाते हैं। इतिहास में जितने भी महान व्यक्तिव हुए उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य का परिचय देकर ही महानता प्राप्त की। यदि वे कठिन समय में अधीर हो जाते तो शायद दुनिया उन्हें कभी याद नहीं रखती। महाराणा प्रताप इसका सबसे प्रेरक उदाहरण हैं। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद परिस्थितियाँ उनके प्रतिकूल थीं। उन्हें जंगलों में रहना पड़ा। परिवार ने अभाव सहें। घास की रोटियाँ तक खानी पड़ें। अनेक बार ऐसा लगा कि संघर्ष समाप्त हो जाएगा। यदि उस समय महाराणा प्रताप धैर्य छो देते और मुग़ल सत्ता के सामने आत्मसमर्पण कर देते तो वे इतिहास के अमर योद्धा नहीं बन पाते। उन्होंने धैर्य साहस और आत्मसम्मान को कभी भी नहीं छोड़ा। वर्षों तक संघर्ष करते रहे और अंततः अपने अनेक क्षेत्रों को पुनः स्वतंत्र कराने में सफल हुए। उनका जीवन सिखाता है कि कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं लेकिन धैर्य और संकल्प स्थायी विजय का मार्ग बनाते हैं। आज भी महाराणा प्रताप का नाम वीरता और स्वतंत्रता के साथ इस्लिए लिया जाता है क्योंकि उन्होंने विपत्ति में धैर्य नहीं छोड़ा। धैर्य का महत्व केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है बल्कि सामान्य जीवन में भी उतना ही आवश्यक है। विद्यार्थी यदि धैर्यपूर्वक अध्ययन करे तो उसे ज्ञान की गहराई प्राप्त होती है। किसान धैर्य से बीज बोता है और समय आने पर भरपूर फसल काटता है। वैज्ञानिक वर्षों तक प्रयोग करते हैं तब जाकर कोई नई खोज सामने आती है। कलाकार अनिगनत अव्था के अंतर और पृथ्वी के घूर्णन से संचालित ये हवाएँ वायुमंडलीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं जो वैश्विक मौसम के पैटर्न को आकार देती हैं और वाणिज्यिक विमानन मार्गों को प्रभावित करती हैं। भारतीय गर्मियों के अनुमानों को जानकारी दे सकता है और दूसरी जगहों पर मौसम की घटनाओं पर रोशनी डाल सकता है। ध्यान रहे कि जेट स्ट्रीम हवाएँ पृथ्वी के वायुमंडल में 9 से 16 किलोमीटर की ऊंचाई पर बहने वाली तेज गति वाली, संकीरी वायुधाराएँ हैं। तापमान के अंतर और पृथ्वी के घूर्णन से संचालित ये हवाएँ वायुमंडलीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं जो वैश्विक मौसम के पैटर्न को आकार देती हैं और वाणिज्यिक विमानन मार्गों को प्रभावित करती हैं। भारतीय गर्मियों के अनुमानों को जानकारी दे का एक पैटर्न है जो जून से सितंबर तक रहता है और यह गर्म उत्तरी हिंद महासागर और भूमध्य रेखा के नीचे ठंडे समुद्री पानी के बीच तापमान के अंतर से चलता है। शुरू में, मॉनसून ने भारत के पश्चिमी तट और उत्तरी भारत के एक बड़े इलाके (गंगा के मैदान) में भारी बारिश शुरू की थी। लेकिन 1999 से यह पैटर्न बहुत बदल गया है। शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में पाया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अब मॉनसून सीजन में 1999 से पहले के मुकाबले लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा बारिश होती है, जबकि गंगा के मैदानी इलाकों में लगभग 4 प्रतिशत कम बारिश होती है। इस अध्ययन के पहले लेखक और भारतीय विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक महेंद्र निम्माकांति ने कहा कि यह परिवर्तन किसानों के लिए खास तौर पर बहुत बुरा है, क्योंकि उनके खेतों की मिट्टी और फसलें बारिश के पुराने पैटर्न के हिसाब से ढल गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत काफी हद तक खेती पर निर्भर है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने पर अचानक बाढ़ आ जाती है और फसलों का नुकसान होता है, क्योंकि इस इलाके

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

नजरिया

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति, सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं। स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची ,और अब

विनोद कुमार सिंह
ह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी,मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है। जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है। हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़ेइस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है। जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है। आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है। रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है। बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है। भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है,जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन,समर्पित माल गलियारों ,क्वच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे को कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है। अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है। इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। इंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाईऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता;केवल जलवाष्प निकलती है। यही कारण है कि इसे



जोरो एमिशन ट्रांसपोर्ट की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है। यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। चेन्नई स्थित इंदीराल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास,निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है। यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य

रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है। यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है। हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहां विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है। इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी। साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी। यह उपलब्धि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है। जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है। इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के

अटलांटिक के ठंडे पानी से मॉनसून में बदलाव

मुकुल व्यास

एक नई रिसर्च से पता चलता है कि उत्तरी अटलांटिक महासागर में पानी के एक ठंडेहिस्से ने जेट स्ट्रीम हवाओं के जरिए भारतीय गर्मियों के मॉनसून में बदलाव शुरू कर दिए हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी को खतरा पैदा हो गया है। मॉनसून हमारी जीवनरेखा है। भारत और दक्षिण एशिया के दूसरे हिस्सों में 1 अरब से अधिक लोग खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए मॉनसून पर निर्भर हैं। हर साल हम एक अच्छे मॉनसून की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों ने पाया है कि पिछले कुछ वर्षों से भारतीय मॉनसून के पैटर्न में परिवर्तन हो रहा है। वैज्ञानिक इस बदलाव के कारणों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। अब एक नई रिसर्च से पता चलता है कि उत्तरी अटलांटिक महासागर में पानी के एक ठंडे हिस्से ने जेट स्ट्रीम हवाओं के जरिए भारतीय गर्मियों के मॉनसून में बदलाव शुरू कर दिए हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी को खतरा पैदा हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन दोनों प्रणालियों के बीच का संबंध एक ऐसे पहले से अज्ञात संबंध को दिखाता है जो दक्षिण एशिया में मौसम के अनुमानों को जानकारी दे सकता है और दूसरी जगहों पर मौसम की घटनाओं पर रोशनी डाल सकता है। ध्यान रहे कि जेट स्ट्रीम हवाएँ पृथ्वी के वायुमंडल में 9 से 16 किलोमीटर की ऊंचाई पर बहने वाली तेज गति वाली, संकीरी वायुधाराएँ हैं। तापमान के अंतर और पृथ्वी के घूर्णन से संचालित ये हवाएँ वायुमंडलीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं जो वैश्विक मौसम के पैटर्न को आकार देती हैं और वाणिज्यिक विमानन मार्गों को प्रभावित करती हैं। भारतीय गर्मियों के अनुमानों को जानकारी दे का एक पैटर्न है जो जून से सितंबर तक रहता है और यह गर्म उत्तरी हिंद महासागर और भूमध्य रेखा के नीचे ठंडे समुद्री पानी के बीच तापमान के अंतर से चलता है। शुरू में, मॉनसून ने भारत के पश्चिमी तट और उत्तरी भारत के एक बड़े इलाके (गंगा के मैदान) में भारी बारिश शुरू की थी। लेकिन 1999 से यह पैटर्न बहुत बदल गया है। शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में पाया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अब मॉनसून सीजन में 1999 से पहले के मुकाबले लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा बारिश होती है, जबकि गंगा के मैदानी इलाकों में लगभग 4 प्रतिशत कम बारिश होती है। इस अध्ययन के पहले लेखक और भारतीय विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक महेंद्र निम्माकांति ने कहा कि यह परिवर्तन किसानों के लिए खास तौर पर बहुत बुरा है, क्योंकि उनके खेतों की मिट्टी और फसलें बारिश के पुराने पैटर्न के हिसाब से ढल गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत काफी हद तक खेती पर निर्भर है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने पर अचानक बाढ़ आ जाती है और फसलों का नुकसान होता है, क्योंकि इस इलाके



की खेती सूखे हालात के हिसाब से ढल गई है। इस बीच, गंगा के मैदानी इलाकों में सूखे के दौर भी आए हैं, जिससे फसलों में भी कमी आई है और किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। पिछले अध्ययनों ने भारतीय मॉनसून में परिवर्तन को अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) में बदलाव से जोड़ा था। एएमओसी अटलांटिक में समुद्री धाराओं का एक बड़ा जाल है जो वैश्विक जलवायु को नियमित करता है और उत्तरी गोलार्द्ध में गर्मी पहुंचाता है। आंकड़े बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन की वजह से एएमओसी धीमा हो रहा है और उत्तरी अटलांटिक महासागर में पहले के मुकाबले कम गर्मी छोड़ रहा है। निम्माकांति ने कहा कि इन अध्ययनों में यह नहीं बताया गया कि भारतीय मॉनसून कैसे बदल सकता है। इसके पीछे के तंत्र को भी विस्तार से नहीं समझाया गया। उन्होंने कहा, ये अध्ययन आम तौर पर यह समझाते हैं कि अगर एएमओसी कमजोर होता है, तो यह भारतीय मॉनसून को भी कमजोर करता है। एक बड़ी समस्या यह है कि मौजूदा जलवायु मॉडल भारतीय मॉनसून में हुए बदलावों को नहीं दिखाते हैं, क्योंकि वे उत्तरी अटलांटिक महासागर की सतह के तापमान में बदलाव को भी पूरी तरह से ग्रहण नहीं करते हैं। इन मॉडलों ने ग्रीनलैंड के दक्षिण-पूर्व में एक अत्यंत ठंडे क्षेत्र पर गौर नहीं किया जिसे 'कोल्ड ब्लॉब' के नाम से जाना जाता है, जहां 1901 और 2021 के बीच पानी 1800 के दशक के आखिर की तुलना में ज्यादा ठंडा था। कोल्ड ब्लॉब बताता है कि एएमओसी कमजोर हो रहा है क्योंकि यह उत्तरी अटलांटिक तक पहुंचने वाली गर्मी की मात्रा में कमी की ओर इशारा करता है। यह पता लगाने के लिए कि भारतीय मानसून कैसे और क्यों बदला है, शोधकर्ता अब ने दर्जनों जलवायु मॉडलों में बारिश का डेटा, समुद्र की सतह के तापमान के रिकॉर्ड और असल जिंदगी के दूसरे अवलोकन डले। इमने पिछले 27 सालों में देखे गए

बदलावों को फिर से दिखाया। इन नतीजों से उत्तरी अटलांटिक में हुए बदलावों और मानसून में बदलावों के बीच संबंध का पता चला। यह जानने के लिए क्या उत्तरी अटलांटिक समुद्र की सतह के तापमान की वजह से भारतीय मानसून अजीब तरह से बर्ताव कर रहा है, टीम ने एक सिमुलेशन (कंप्यूटर पर परिस्थितियों की नकल) में कोल्ड ब्लॉब को जोड़ा और हटाया। नतीजों से पता चला कि ठंडे ब्लॉब ने उत्तरी अटलांटिक पर एक मजबूत टेम्परेचर ग्रेडिएंट (तापमान में परिवर्तन की दर और दिशा का पैमाना) बनाकर भारतीय मानसून को शिफ्ट कर दिया है, जो बदले में यूरेशिया के ऊपर वायुमंडल में जेट स्ट्रीम हवाओं और प्रेशर सिस्टम पर असर डालता है। खासकर, उत्तरी अटलांटिक के ऊपर जेट स्ट्रीम तेज हो गई है, और पश्चिमी रूस में बुराल शोधकर्ताओं का मानना ​​​​?है कि भारतीय मॉनसून बहुत हो गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में मौसम सिस्टम बदल गए हैं, जो नमी वाली हवा को देश के उत्तर-पश्चिम की ओर ले जा रहे हैं और उसे दूसरे इलाकों से दूर खींच रहे हैं। एजीयू एडवांसेज जर्नल में छपे नए नतीजों से मौसम का अनुमान लगाने वालों को भारत और पड़ोसी देशों में मॉनसून के दौरान बहुत ज्यादा बारिश और सूखे जैसी घटनाओं का अनुमान लगाने में मदद मिल सकती है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना ​​​​है कि भारतीय मॉनसून वैश्विक जलवायु में एक निर्णायक बिंदु (टिपिंग प्वाइंट) है, और इन निष्कर्षों से पता चलता है कि यह सिस्टम 1999 में एक अहम सीमा पार कर गया था। तब से कोल्ड ब्लॉब की वजह से जेट स्ट्रीम में लगातार बदलाव हुआ है, जिससे मॉनसून में अचानक बदलाव आए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि तेजी से बदलती जलवायु में भारतीय मॉनसून कैसे बदलेगा, क्योंकि जलवायु मॉडल उत्तर अटलांटिक के बारे में अलग-अलग अनुमान लगाते हैं, और दुनिया के बदलने के साथ-साथ दूसरे कारण भी असर डाल सकते हैं।

सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त आजीवन देश के लिये रहे समर्पित

रमेश शर्मा

भारतीय इतिहास में कुछ ऐसे प्रसंग हैं जिन्हें पढ़कर आंखें झुकती हैं। जिन लोगों ने हमें स्वतंत्र बनाने के लिये अपना जीवन न्योछावर किया, अंग्रेजों की अमानवीय यातनाएं सहें उनके साथ स्वतंत्रता के बाद भी कैसा व्यवहार हुआ। इनमें से एक हैं सुप्रसिद्ध क्रान्ति कारी बटुकेश्वर दत्त । जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद भी आजीविका के लिये भीषण संघर्ष करना पड़ा । परिवार चलाने के लिये कभी गाइड बने तो कभी सिमरोट कंपनी के एजेंट बने । हद तो तब हुई जब पटना कलेक्टर ने उनसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने का प्रमाण पत्र मांगा । सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का जन्म 18 नवम्बर 1910 को बंगाल के वर्धमान जिले में हुआ । बचपन से उनमें राष्ट्र और संस्कृति के लिये प्रेम था यह भाव उनको परिवाहिक विरासत में मिला । उन के कई नाम थे । बटुकेश्वर दत्त के अतिरिक्त मोहन और बटू उनके बचपन का नाम थे । पिता बिहारी दत्त समाज सेवा से जुड़े थे और माता कामिनी देवी अपनी परंपराओं से जुड़ी घरेलू महिला थीं । जब बटुकेश्वर बहुत छोटे थे तब परिवार कानपुर आ गया था । इसीलिए इनका बचपन कानपुर में बीता । ये जब हाई स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे तभी इनका संपर्क क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े सुरेंद्रनाथ पट्ट और विजय कुमार सिन्हा से हुआ । और वे क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गये । एक तो परिवार की पुष्टभूमि भारतीय समाज और परंपराओं से जुड़ी थी दूसरे बचपन की एक घटना ने उन्हें अंग्रेजों के विरुद्ध कर दिया था। यह घटना कानपुर के मॉल रोड की थी । इस रोड पर अंग्रेज सिपाही ने एक मामूली बच्चे को इसलिए बुरी तरह पीटा कि वह उस सड़क पर चला गया था जहां भारतीयों को चलने की मंजुली थी । इस घटना ने बटुकेश्वर दत्त को बुरी तरह झकझोर दिया और जब क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ने का अवसर आया तो उसाह से सक्रिय हो गये । उन दिनों कानपुर क्रान्ति का एक प्रमुख केन्द्र था और समाचार पत्र प्रताप इन क्रांतिकारियों का संपर्क केन्द्र था । समय के साथ बटुकेश्वर दत्त का संपर्क प्रताप के संपादक सुरेशचंद्र भट्टाचार्य से बना और उनके माध्यम से वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े और यहीं उनकी मित्रता सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी भगत सिंह से हुई । और 1924 में चंद्रशेखर आजाद से मिले । काकोरी कांड के बाद हुई गिरफ्तारियों के चलते क्रांतिकारी कानपुर से यहाँ वहाँ गये । बटुकेश्वर दत्त पहले बिहार गए और फिर कलकत्ता गये । 1927 में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोशिएशन रखा गया । एसोसिएशन ने बटुकेश्वर दत्त को बम बनाने का प्रशिक्षण दिया । और बटुकेश्वर दत्त बहुत उत्कषट बन बनाना सीख गये । उस दौर के क्रांतिकारी आंदोलन में अधिकोश बम या तो बटुकेश्वर दत्त के बनाये होते थे अथवा उनके द्वारा प्रशिक्षित युवाओं द्वारा । 1929 में हुये असेम्बली बम कांड में वे सरदार भगतसिंह के साथ बंदी बनाये गये । भगतसिंह को फाँसी की सजा हुई और बटुकेश्वर को उक्रेदक । उक्रेदक की सजा कैलिये उन्हें पहले कालापानी भेजा गया । फिर हजारीबाग, दिल्ली और बाँकीपुर जेल । जेल में उन्हें क्लरक प्रताड़ना मिली जिससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा । इस कारण 1938 में रिहा कर दिये गये । इस शर्त पर कि वो किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लेंगे । बटुकेश्वर दत्त ने यह लिखकर तो दिया पर जेल से रिहा होकर गांधीजी के अहिंसक आंदोलन से जुड़ गये और 1942 बंदी भेजे गये । आंदोलन समाप्त होने के बाद सभ्य आंदोलन कारी रिहा हुये पर बटुकेश्वर दत्त को रिहाई नहीं मिली वे 1945 में रिहा हुये । स्वतंत्रता के बाद उन्होंने विवाह किया और पटना आ गये । यहाँ उन्होंने आजीविका के लिये कठोर संघर्ष किया । कभी गाइड बने और कभी सिमरोट कंपनी के एजेंट। यही नहीं कलेक्टर ने उनसे स्वाधोनता संग्राम सेनानी होने का प्रमाणपत्र भी माँगा । 1958 में पहली बार उन्हें सम्मान मिला और वे विधान परिषद के सदस्य मनोनीत किये पर जल्दी ही बीमारी ने उन्हे जकड़ लिया । इलाज के लिये बिहार से दिल्ली लाया गया ।

चयनित वालेंटियर्स को प्रशिक्षण के पश्चात दी जायेगी इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट

टीकमगढ़। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित आपदा मित्र योजना के अंतर्गत जिले के इच्छुक युवाओं एवं नागरिकों से स्वयंसेवक (वालंटियर) के रूप में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का ऐसा नेटवर्क तैयार करना है, जो प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के समय राहत एवं बचाव कार्यों में प्रशासन की प्रभावी सहायता कर सके। इसी क्रम में आज डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट बीपी नामदेव ने अपने स्टाफ के साथ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को आपदा मित्र योजना अंतर्गत प्रदान की जाने वाली इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट में मिलने वाली सभी सामग्री दिखाई एवं योजना की संपूर्ण कार्ययोजना बताई। नोडल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट बीपी नामदेव ने बताया कि



मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 7 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। वालेंटियर्स के लिये एनसीसी, स्काउट, एनएसएस, नेहरु युवा केन्द्र के साथ ही तालाब/नदी किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों के 18 से

40 वर्ष आयु के नागरिक आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को एसडीएमए भोपाल के द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण उपरांत उम्मीदवारों को आईडी कार्ड, प्रमाणपत्र के साथ ही इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट (जिसमें प्रिंटेड ट्रेनिंग मॉड्यूल, सर्टिफिकेट और पहचान पत्र

शामिल हैं) प्रदान की जायेगी। साथ ही प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का बीमा भी किया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव, राहत कार्य, टीम वर्क तथा आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया संबंधी व्यावहारिक एवं हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण ऑडियो-वीडियो माध्यमों एवं मैदानी अभ्यास के जरिए आयोजित किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट बीपी नामदेव ने बताया कि इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट में बैग, लाइफ जैकेट, टाचर, मच्छरदानी, रेनसूट, टीसर्ट, बाटर वाटल, हैंड ग्लवज, व्हिस्लर, लाईटर, चाकू, चश्मा, रस्सी, रिफ्लेक्टेटेड जैकेट, फर्स्ट एण्ड किट, बैग कवर, सेफ्टी हेलमेट के साथ ही हार्ड टो लांग बूट प्रदान किया जायेगा।

जीनियस प्लानेट स्कूल में हुआ स्पीक मैके द्वारा भरतनाट्यम का आयोजन

इटारसी।सीबीएसई से मान्यता प्राप्त जीनियस प्लानेट स्कूल में आज भरतनाट्यम नृत्य का आयोजन किया गया। पुणे में रहने वाली भरतनाट्यम नृत्यांगना वैष्णवी धोरे द्वारा दी गई प्रस्तुति बहुत ही मनमोहक रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन और सरस्वती वंदना से किया गया। इसके पश्चात् स्कूल संचालकद्र जाफर सिद्दीकी और मनीता सिद्दीकी तथा प्राचार्य ममता छिक्रा द्वारा उपस्थित कलाकार एवं अधिकृत हेमंत कुमार शुक्ला मधु भैया का स्वागत किया गया । इसके बाद वैष्णवी धोरे ने बच्चों को भरतनाट्यम शब्द का मतलब समझाते हुए बताया की भरतनाट्यम में भ का मतलब भाव को दिनकर की कविता से



समझया। र से तात्पर्य राग से है । राग को समझाने के लिए स्कूल की म्यूजिक शिक्षिका पूजा राजपूत ने सरस्वती वंदना का गायन किया जिस पर वैष्णवी धोरे दोहरे ने नृत्य अभिनय प्रस्तुत किया द्य त से तात्पर्य ताल से है । ताल को समझाने के लिए कुछ प्रसिद्ध तोड़े तथा रिदम और 12 के टेबल के माध्यम से समझाया द्य नाट्यम से तात्पर्य नृत्य से है , इसे समझाने के लिए बच्चों को भरतनाट्यम की बेसिक मुद्राये अवर्गंढी, मुरुमंडी आदि सिखाई । साथ ही नौ रस और भारतीय शास्त्रीय

नृत्य के प्रकार को समझाया , इसके अलावा वैष्णवी धोरे ने मोर के नृत्य के हाव भाव और चाल ढाल को भी प्रस्तुत किया द्यअंत में तराना पर प्रस्तुति दी। संपूर्ण प्रस्तुति में विशेष यह रहा की नृत्यांगना वैष्णवी धोरे ने स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई रिदम तबला एवं ढोलक पर भी जुगलबंदी कर अपने नृत्य को प्रस्तुत किया । स्पीक मैके समन्वयक सुनील बाजपेयी ने भरतनाट्यम कलाकार के जीवन परिचय एवं स्पीक मैके के उद्देश्य को उपस्थित विद्यार्थियों को बताया इस अवसर पर गर्ल्स स्कूल सूरज गंज के प्रधान पाठक महेश रैक्वार के साथ ही स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहा।

साक्षिप्त समाचार

शाशांक सिंह गुर्जर ने संभाला सीएसपी का पदभार

समय जगत, धार। जिले के पुलिस विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव सामने आया है। बालाघाट की हॉक फोर्स में अपनी सेवाएं दे चुके अधिकारी शाशांक सिंह गुर्जर ने अब धार में नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। नवागत सीएसपी गुर्जर अपनी सख्त कार्यशैली और अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। उनके अनुभव और कार्यकुशलता को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग में नई गति देखने को मिलेगी।



बिना कोचिंग नीट में सफल हुई, शासकीय सांदीपनी विद्यालय की पांच छात्राएं, कलेक्टर ने किया सम्मानित



समय जगत, पांडुरना । पांडुरना जिले के शासकीय सांदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय ने इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विद्यालय की पांच छात्राओं ने बिना किसी निजी कोचिंग के परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं का सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सम्मानित छात्राओं में रितु राजकुमार धुवे, एकता महेश कोल्हे, राधा देवराव परिहार, पूनम चंद्रकिशोर ठवर शासकीय सांदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय, पांडुरना एवं श्रद्धा मोरेश्वर ढोबले शासकीय सांदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय, सीसर शामिल हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद इन छात्राओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास के दम पर यह सफलता हासिल की। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए, कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ ने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी भी यदि तत्क्ष निर्धारित कर पूरी लगन से तैयारी करें तो राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने छात्राओं की उपलब्धि को जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करने का संदेश दिया। इस अवसर पर सफा छात्राओं ने अपनी तैयारी की रणनीति भी साझा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने किसी निजी कोचिंग का सहारा नहीं लिया। पढ़ाई के दौरान मोबाइल फ़ोन से दूरी बनाई, अधिकतर समय विद्यालय और पुस्तकालय में अध्ययन किया तथा स्कूल की पुस्तकों के साथ विभिन्न संदर्भ पुस्तकों से स्वयं प्रश्न तैयार कर उनका नियमित अभ्यास किया। समय प्रबंधन, आत्ममुल्यांकन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को उन्होंने अपनी सफलता का प्रमुख आधार बताया। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि छात्राओं ने पूरे शैक्षणिक सत्र में नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और निरंतर अभ्यास को अपनी आदत बनाया। विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों, पुस्तकालय और शिक्षकों के मार्गदर्शन का भरपूर लाभ उठाते हुए उन्होंने अपनी तैयारी को मजबूत किया, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है।

लंबे इंतजार के बाद नप में हुई एल्डरमैन की नियुक्ति

सुठालिया। नगर परिषद के निर्वाचन हुए करीब 4 वर्ष का समय व्यतीत हो चुका है इतने लंबे इंतजार के बाद सोमवार को सुठालिया नगर परिषद सहित जिले भर की चार नगर पालिका एएम दस नगर परिषदों में राज्य सरकार द्वारा एल्डर मैन की नियुक्ति की गई है। सुठालिया नगर परिषद में पहली बार चार एल्डर मैन नियुक्त किए गए हैं। इनमें पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व नप उपाध्यक्ष महेश पालीवाल भाजपा जिला मंत्री माधवी परमार अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष हनुम चंद सिलावट एवं पूर्व मंडल महामंत्री अखिलेश सक्सेना को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है हालांकि अभी राज्य शासन के राजपत्र में उक्त नाम जारी होने के बाद ही इनकी नगर परिषद में नियुक्त किया जाएगा सभी एल्डरमेट का कार्यकाल फिलहाल एक वर्ष का रहेगा। उल्लेखनीय है की राज्य शासन द्वारा करीब एक वर्ष पूर्व भाजपा संगठन से एल्डर मैन के नाम मांगे गए थे इसके बाद बीते फरवरी माह में कुछ नगर निगम एएम नगर पालिका में एल्डर मैन नियुक्त किए गए थे शासन द्वारा राजपत्र जारी नही होने के चलते उक्त सभी एल्डर मैन को मान्यता नहीं मिली थी लेकिन बीते दिनों राज्य सरकार द्वारा राजपत्र जारी किया गया वही शेष बचे निकायों में भी अब एल्डर मैन नियुक्त किए गए हैं।

मीणा समाज शक्ति संगठन की बैठक 26 को होगी शुजालपुर में

समय जगत, भैरूदा । मीणा समाज शक्ति संगठन की बहुतीक्ष्णित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की तारीख का ऐलान हो गया है। आगामी 26 जुलाई को शुजालपुर में समाज का बड़ा महाजुटान होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में मध्य प्रदेश सहित संगठन के चारों प्रमुख प्रांतों के शीर्ष पदाधिकारी, कोर टोली और जिला अध्यक्ष विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, नगरीय निकाय चुनाव एवं विधानसभा चुनावों को लेकर समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर चर्कव्यूह जैसी रणनीति तैयार की जाएगी। संगठन के प्रदेश कार्य समिति सदस्य हेमसिंह बारवाल ने भैरूदा में प्रचारकों को बताया है कि यह बैठक केवल राजनीतिक एजेंडे तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें समाज के युवाओं और महिलाओं के आर्थिक व सामाजिक शक्तिकरण पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा। युवाओं को खेती के साथ अब बिजनेस और उद्योगों से जोड़ने का प्लानपदाधिकारियों ने बताया कि समाज के युवाओं को पारंपरिक खेती-किसानी के दायरे से बाहर निकालकर स्वरोजगार, न्यू स्टार्टअप और बड़े उद्योगों की ओर मोड़ने के लिए एक विशेष रोड मैप तैयार किया जाएगा। इसके जरिए युवाओं को करियर और व्यवसाय की नई दिशा दिखाई जाएगी। सीहोर जिला अध्यक्ष मनोज मीणा ने अधिक न अधिक युवाओं को संगठन से जुड़ने एवं बैठक में अपनी सहभागिता देने का आग्रह किया।

नीट के मेधावी विद्यार्थियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

समय जगत, नरसिंहपुर। जिले के शासकीय विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने नीट-2026 में सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। इन होनहार विद्यार्थियों के सम्मान में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर ने सभी सफल विद्यार्थियों को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यह सफलता उनके कठोर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में अपने जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित किया एवं शासकीय विद्यालयों के



विद्यार्थी अपनी लगन और दृढ़ संकल्प से बड़ी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं, सम्मानित विद्यार्थियों में सीएम राइज स्कूल करेली की वैष्णवी सोनी, शासकीय बालक खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यह सफलता उनके कठोर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में अपने जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित किया एवं शासकीय विद्यालयों के

माध्यमिक विद्यालय करेली बस्ती की साक्षी साहू, एक्सिलेंस विद्यालय नरसिंहपुर की पारुल साहू एवं सुहानी विश्वकर्मा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी की शिवानी चौधरी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमगांव बड़ की पंकी जाटव, सीएम राइज स्कूल गोटेगांव के महेंद्र मेहरा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया की जिया लोधी एवं साक्षी लोधी शामिल रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डायट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, बीईओ बृजेश शर्मा, मुकेश साहू, तरुण मालवीय, मनोष शर्मा, श्रीमती सीमा दीक्षित, श्रीमती सुभावना पांडे सहित संबंधित विद्यालयों के शिक्षकाण एवं अभिभावकगण मौजूद थे।

सिंधियत की गूंज: जब इटारसी में एक सिनेमाघर सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बना

इटारसी। जड़ें जितनी गहरी होती हैं, संस्कृति का वृक्ष उतना ही अमर होता है। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की आत्मा की धड़कन होती है। रविवार, 19 जुलाई 2026 का दिन इटारसी के इतिहास में सिंधी समाज के लिए केवल मनोरंजन का एक दिन नहीं था, बल्कि यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों को और लोटेने और उस पर गर्व करने का एक ऐतिहासिक उत्सव था। सिनेमा स्टूडियो पार्क आज एक धियेटर मात्र नहीं रहा, बल्कि वह एक ऐसा संगम बन गया जहां सिंधी समाज की तीन पीढ़ियां— वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा और नन्हे बच्चे— एक साथ अपनी मातृभाषा के सत्कार में खड़े हुए। अवसर था सुपरहिट सिंधी फिल्म %हा मां

भी सिंधी अहिंयां% (हां, मैं भी सिंधी हूं) के विशेष प्रदर्शन का। क्या है इस फिल्म का मर्म?भगवान मुक्ता चंदानी द्वारा निर्मित और आरके गिडवानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म केवल पर्दे पर चलती कुछ दृश्यों की कहानी नहीं है, बल्कि यह हर उस सिंधी परिवार के अंतर्भूत की आवाज है जो आधुनिकता के दौरे में अपनी भाषा और जड़ों को पीछे छोड़ रहा है। फिल्म का मूल मर्म %मातृभाषा की अहमियत और सांस्कृतिक संरक्षण% है। यह एक भावनात्मक परिवारिक ताना-बाना है जो दर्शक को अंदर तक झकझोता है और यह सोचने पर मजबूर करता है कि यदि भाषा लुप्त हो गई, तो पहचान भी धुंधली हो जाएगी। फिल्म यह संदेश

पुरजोर तरीके से देती है कि आधुनिक दुनिया में कितनी भी तरक्की कर ली जाए, पर अपनी पहचान पर गर्व से कहना कि—%हा मां भी सिंधी अहिंयां%—ही वास्तविक समृद्धि है। **एकजुटता की ओर अद्भुत सैलाब:** पूज्य पंचायत सिंधी समाज के इस बेहतरीन और अनुकरणीय प्रयास का असर यह हुआ कि सिनेमाघर में समाज के ढाई सौ से अधिक सदस्यों ने मौजूदगी से शो पूरी तरह हाउसफुल रहा। समाज के उपाध्यक्ष अनिल मिहानी ने बताया कि उत्साह का आलम यह था कि निर्धारित सीटों के बाद भी लोग आते रहे। कई लोगों के लिए अतिरिक्त कुर्सियों की व्यवस्था की गई, और जब तबल धरने की भी जगह नहीं बची,

तब बेहद सम्मानजनक तरीके से कुछ लोगों को रोक्ना पड़ा। यह दृश्य दर्शाता है कि समाज अपनी संस्कृति के लिए कितना लालायित है। अपनत्व का स्वाद-पूज्य पंचायत की ओर से सामूहिक रूप से आए सभी सदस्यों के लिए स्वल्पाहार और मिल्क शेक की व्यवस्था की गई थी, जिसने इस सिनेमाई अनुभव को एक पारिवारिक पिकनिक और उत्सव में बदल दिया। वरिष्ठों और प्रबुद्ध जनों की दृष्टि में यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने, जगाने और सिंधी भाषा को नया जीवन देने वाली एक संजीवनी है। **कैलाश नवलानी, अध्यक्ष पूज्य पंचायत सिंधी समाज:** समाज के प्रबुद्ध जन—मोहन

चेलानी, विजय मनवानी, सोनू परियानी आदि ने इस आयोजन को एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर प्रयास बताया। वक्त के थपेड़ों के बीच जब संस्कृतियां अपनी पहचान बचाने का संघर्ष कर रही हैं, तब इटारसी के सिंधी समाज ने आज यह साबित कर दिया कि वे अपनी विरासत को खोने नहीं देंगे। जब एक पूरा समाज अपनी भाषा के सिनेमा को देखने के लिए इस कदर उमड़ पड़ता है, तो वह केवल एक फिल्म नहीं देख रहा होता, बल्कि आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य और अपनी संस्कृति की अमरता की पटकथा लिख रहा होता है। आज द पार्क सिनेमा से निकलने वाले हर चेहरे पर एक ही संतोष था—%भाषा बची रहेगी, तो हम बचे रहेंगे।%

परम पूज्य निर्यापक मुनि 108 संभव सागर जी महाराज ससंध की नगर में अगवानी

समय जगत, मंडीदीप । नगर मे परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं आचार्य 108 समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य, परम पूज्य निर्यापक मुनि 108 संभवसागर महायज्ञ ससंध का मंडीदीप आगमन पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य एवं भावपूर्ण स्वागत किया गया। प्रथम ढाबा से मुनिश्री की मंगल अगवानी प्रारंभ हुई। इसके पश्चात मंगल विहार के साथ श्रद्धालु जयशेष करते हुए पटेल नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। समिति के अध्यक्ष विनोद



जैन ने बताया कि मंदिर में विराजमान होकर मुनिश्री ने गुरु भक्ति एवं आचार्य भक्ति का पावन संदेश प्रदान किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, संसम एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ विजय पहाड़िया, श्री

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा जैन, दिलीप पहाड़िया, अशोक जैन, नरेंद्र जैन,सौरभ जैन, अंकित जैन, रोहित जैन, अंशुल जैन,सत्येंद्र जैन, सहित अब्दुल्लागंज जैन समाज से राजीव जैन, एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

लायंसक्लब कोमिला नया नेतृत्व, डॉ. इंसाफ अहमद अंसारी ने अध्यक्ष पद की ली शपथ

नई टीम ने सेवा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने का लिया संकल्प

पचोरा। लायंस क्लब इंटरनेशनल पचौर का संस्थापन समारोह हमजा अयोजित हुआ। जिसमे वर्ष 2026-27 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. इंसाफ अहमद अंसारी एवं उनकी टीम ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर सेवा कार्यों को नई गति देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन, ध्वज वंदना, मौन, अतिथि परिचय एवं स्वागत के साथ हुआ। निवर्तमान सचिव गजेंद्र मंडलोई ने गत वर्ष की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र भदौरिया ने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आधार व्यक्त किया तथा उन्हें

सम्मानित किया। उन्होंने डॉ. इंसाफ अहमद अंसारी को क्लब की अध्यक्षीय पिन पहनाकर नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन महेश मालवीय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा लायंस क्लब के सेवा कार्यों और दायित्वों की जानकारी दी। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ. इंसाफ अहमद अंसारी, प्रथम उपाध्यक्ष मनोप , द्वितीय उपाध्यक्ष संजय सोनी, तृतीय उपाध्यक्ष प्रकाश जायसवाल, सचिव डॉ. राकेश कुमार वर्मा, सह सचिव इश्राद अहमद, कोषाध्यक्ष स्वप्निल गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष राकेश माथुरिया, , क्लब एडमिनिस्ट्रेटर दिलीप



सोनी, मेंबरशिप कमेटी के संयोजक जेपी उदावत एवं मुकेश शर्मा, एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर निलेश गुप्ता एवं सुरज प्रकाश गुप्ता, सचिव चैयरपर्सन हर्षित गुप्ता, सीए कपिल गुप्ता, सीए राजेंद्र भंडारी एवं डॉ. कमल राठौर, क्लब मार्केटिंग चैयरपर्सन प्रो. राजेंद्र गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता (एपीसी) एवं दीपक जुलानिया, मीडिया प्रभारी शैलेंद्र शर्मा एवं सुरेश विरमाल, पीआरओ ललित सोनी एवं दीपक

महेश्वरी, टेल डिस्ट्रक्टर आदर्श मंगल तथा टेमर तरुण गां को दायित्व सौंप गए।

क्लब की विभिन्न सेवा समितियों का भी गठन किया गया। संचालक समिति में आठ वरिष्ठ सदस्यों को शामिल किया गया, जबकि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा समिति में 14 चिकित्सकों, पर्यावरण एवं हार समिति में 10 सदस्यों, रक्तदान एवं मेंटल हेल्थ प्रकोष्ठ तथा सांस्कृतिक

एवं शिक्षा समिति के सदस्यों ने शपथ ली

समारोह में क्लब के नए सदस्य दीपक माहेश्वरी, डॉ. संजय नागर, डॉ. हेमंत पाटीदार, विवेक शर्मा, रोहित शर्मा, प्रीतिश विजयवर्गीय, अंकित विजयवर्गीय, मयंक सोनी, मनोज अहिरवार, योगेश कुंभकार, सुमोद खान, सोहेल मंसूरी, भगवान सिंह राजपूत, आशिक पटेल, डॉ. पवन आशेरी, गीतेश गोयल एवं डॉ. राजेश कुशवाहा को रीजन चैयरपर्सन सुभा गोयल ने सदस्यता की शपथ दिलाई। सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाना लक्ष्य-डॉ. अंसारी

अनेक प्रथम अध्यक्षीय उद्घोषन में डॉ. इंसाफ अहमद अंसारी ने कहा कि लायंस क्लब सेवा का पर्याय है। आगामी वर्ष में मधुमेह जागरूकता,

पर्यावरण संरक्षण, भूखे लोगों को भोजन, मानसिक स्वास्थ्य, रक्तदान और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरी टीम समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य करेगी। मुख्य अतिथि सांसद रोडमल नागर ने कहा कि लायंस क्लब का सेवा संकल्प अनुकरणीय है। नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया ने क्लब की सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास दीक्षित ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बताया। मुख्य वक्ता पीएमजेएफ लायन मनोप शाह ने लायनवाद, सेवा भावना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व पर प्रेरक उद्बोधन दिया।

पटेरा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे कलेक्टर स्कूल,आंगनवाड़ी औरस्वास्थ्य संस्थानों कालिया जायजा

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव शनिवार को अपने आकस्मिक भ्रमण अभियान के तहत पटेरा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आकस्मिक रूप से पहुंचकर स्कूल आंगनवाड़ी आयुष्मान आरोग्य मंदिर और बेलखेड़ी गोशाला पहुंचकर जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। इस दौरान पटेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 7 अनुपस्थित कर्मचारियों तथा महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक तथा पटेरा के कृषि विभाग के अधिकारी को कारण बताओ नोटिस देने तथा बमनपुरा स्व.सहायता समूह के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गये। कलेक्टर श्री यादव प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बमनपुरा पहुंचे। उन्होंने यहां छात्रों से चर्चा की, प्रश्न किए जिसका कि छात्रों ने तत्काल जबाव दिए। कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसी तरह अच्छी पढ़ाई करने के लिए



प्रोत्साहित किया। बमनपुरा में ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे। यहां पर सीएचओ एवं एएनएम उपस्थित पाए गए। मरीजों आदि की जानकारी ली गई। साफ सफाई के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। ग्राम बमनपुरा में किसानों से चर्चा की गई यहां पर बीज वितरण के संबंध में किसानों ने अपनी समस्या एवं बात रखी।

कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को बीज वितरण सभी पात्र किसानों को करने के निर्देश देते हुए लापरवाही के संबंध में क्षेत्रीय कृषि अधिकारी के विरुद्ध कारण बताओ के नोटिस देने के निर्देश दिए।
ग्राम पालार्जुनी पहुंचे कलेक्टर: यहां पर कलेक्टर श्री यादव ने आगनबाड़ी

केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान 27 में से 2 बच्चे मौजूद मिले। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सुपरवाईजर के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। कुछ बच्चे पढ़ नहीं पाए शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के निर्देश दिए गए। इसी दौरान कलेक्टर ग्राम बिलगुवा पहुंचे। प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया गया। साथ ही बन रहे मध्याह्न भोजन का जायजा लिया, समूह की अध्यक्ष ने बताया कि उन्हें उचित मूल्य दूकान से पर्याप्त मात्रा में राशन नहीं मिल रहा है,जिलापूर्ति अधिकारी को निर्देश जांच कर प्रतिवेदन दे। यहां पर आगनबाड़ी केन्द्र में निरीक्षण के दौरान 12 बच्चे उपस्थित थे बच्चों ने भोजन किया था परंतु भोजन का सैम्पल नहीं रखा गया। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए।

पटेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाएं सुधारने श्री यादव ने दिये निर्देश स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्ण गंभीरता के साथ समयबद्ध उपलब्धता हो सुनिश्चित:कलेक्टर

समय जगत, दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटेरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में कई कमिया सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा निरीक्षण में कई कर्मचारी विलंब से ड्यूटी पर पहुंचे जबकि कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन कटौती की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बताया गया पिछले एक वर्ष से बेडशीट उपलब्ध नहीं कराई गई है। वार्डों में कई मरीज बिना बेडशीट के ही भर्ती मिले। इस स्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए आवश्यक सामग्री की तत्काल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं



मिली। कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पिछले लगभग तीन महीनों में पीटीआर में बाघ की मौत की यह तीसरी घटना है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले ने टाइगर रिजर्व की सुरक्षा, सतत निगरानी और वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह नियमित गश्त पर निकली पेट्रोलिंग पार्टी ने बृजपुरा बीट के एक दुर्गम, पहाड़ी क्षेत्र में एक वयस्क बाघ को जमीन पर लेटा देखा। शुरुआत में वनकर्मियों को लगा कि बाघ आराम कर रहा है, लेकिन काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर वे सतर्क हुए। सुरक्षित दूरी से निगरानी करने के बाद जब टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि बाघ की मौत हो चुकी है। घटना

अस्पताल में शासन के मानकों के अनुसार लगभग 350 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध होना आवश्यक है जबकि वर्तमान में केवल करीब 250 प्रकार की दवाइयां ही उपलब्ध हैं। लगभग 100 प्रकार की आवश्यक दवाइयों के अभाव में मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं।

सांक्षिप्त समाचार एनएमडीसी कंपनी को मिला बहुमूल्य बड़ा हीरा, अनुमानित कीमत है 80 लाख रुपये



समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले में स्थित हीरा खनन परियोजना मझगावां में 13 फॉइंट 16 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा मिला है। उक्त हीरा की कीमत बाजार में 80 लाख रुपए बताई जा रही है। ज्ञात हो कि मार्च 2024 में फिर से एनएमडीसी कंपनी को हीरा खनन करने की अनुमति मिली थी तथा मशीनों के माध्यम से हीरा खुदाई प्रारंभ हुई थी शुरुआती दौर में छोटे-छोटे हीरे मिल रहे थे लगभग दो वर्ष बाद बड़ा हीरा मिलने से कंपनी में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। इसके पूर्व 10 कैरेट का हीरा कंपनी को मिला था। जिले की उथली खदानों में भी लगातार बड़े हीरे मिल रहे हैं। एनएमडीसी कंपनी को काफी समय बाद बड़ा हीरा मिला है। बड़ा हीरा मिलने से कंपनी में खुशी का माहौल व्याप्त है तथा आगे भी उम्मीद जताई जा रही है कि इसी प्रकार हीरे मिलेंगे तो कंपनी लगातार अपना काम जारी रखेगी।

बरसात में रहें सतर्क, संक्रामक और मच्छरजनित बीमारियों से बचाव जरूरी

समय जगत, श्योपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिलीप सिकरवार ने जिलेवासियों के लिए बरसात के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में जलजनिव एवं मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में थोड़ी सी सावधानी अपनाकर दस्त, उल्टी, डायरिया, पेविश, पीलिया, टायफाइड, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और फायलेरिया जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। सीएएमएचओ ने लोगों से स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, ताजा भोजन खाने तथा बासी भोजन, सड़ी-गली सब्जियां और फल खाने से बचने की अपील की है। भोजन बनाने और खाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि उल्टी-दस्त जैसी समस्या होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लें। गांवों में आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से ओआरएस, जिंक सहित आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयां उपलब्ध हैं। मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए घर और आसपास पानी जमा न होने दें, कुलर और पानी की टंकियों को सप्ताह में एक बार खाली करें, पुराने टायर एवं कबाड़ को ढंकर रखें तथा मच्छरदानी, रिपलेंट और पूरी बांध के कपड़ों का उपयोग करें। तेज बुखार आने पर तुरंत रक्त जांच कराकर उपचार शुरू कराएं। सीएएमएचओ ने कहा कि बरसात के दौरान शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। पानी और गंदगी के कारण दस्त, कुंमि संक्रमण, त्वचा एवं आंखों के रोग तथा मच्छरों और मक्खियों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सभी नागरिक स्वच्छता अपनाएं और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में हुई महत्वपूर्ण पहल जाकिर हुसैन वार्ड में 1 करोड़ 33 लाख के विकास कार्यों का मेयर ने किया भूमिपूजन

समय जगत, कटनी। वर्षों की जन अपेक्षाओं को साकार करते हुए नगर निगम कटनी द्वारा जाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 38 में लगभग 1 करोड़ 33 लाख की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रेखा संजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत भूमि पूजन कर विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों की शुभारंभ से क्षेत्र में सड़क, नाली, आंगनबाड़ी भवन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा तथा वर्षों से लंबित विकास कार्य अब धरातल पर आकर लेते दिखाई देंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत अधोसंरचना मद से लगभग 93.85 लाख की लागत से गौरीशंकर मंदिर के



समीप सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा 13 लाख की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण, संजय नगर में 5.25 लाख की लागत से रांगमंच निर्माण, संजय नगर मुक्तिधाम में 4.03 लाख की लागत से गेट एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, संजय नगर सामुदायिक भवन के पीछे 4.03 लाख

की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण, सरस्वती स्कूल के समीप पानी की टंकी के पास 4.03 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा खंपरिया मोहल्ला में खूब सिंह के घर से नारायण खंपरिया एवं बंटू सोनी से आगे मथुरा तिवारी तक 8.52 लाख की लागत से सीसी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन

वैष्णव समाज की बैठक में प्रस्तुत किया गया वार्षिक आय-व्यय

समाज विकास में सभी लोगों का सहयोग है जरूरी : राधेश्याम

समय जगत, श्योपुर। वैष्णव समाज विकास समिति की बैठक रविवार को छात्रावास भवन पर समाज अध्यक्ष राधेश्याम वैष्णव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दोपहर 1 बजे से शुरू बैठक शाम 4 बजे तक चली। इस बैठक में वार्षिक आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। इसके आलवा समाज विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान कोषाध्यक्ष योगेंद्र वैष्णव ने आय-व्यव का ब्योरा पढ़कर सुनाया। जिसमें उन्होंने बताया कि समिति को सालभर में 14 लाख 37 हजार 708 रुपए की आय प्राप्त हुई है, जबकी 13 लाख 84 हजार 447 रुपए खर्च हुए हैं। इसके बाद समिति के पास 53261 रुपए शेष बचे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राधेश्याम वैष्णव ने कहा कि समाज विकास में सभी लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है। वैष्णव समाज के बच्चे पढ़ाई लिखाई में अच्छे अंक से पास होकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, वहीं सामाजिकसेवा शासकीय नौकरी, राजनीतिक क्षेत्र में



होकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। बैठक के दौरान महामंत्री दीपक वैष्णव, सह महामंत्री कैलाश वैष्णव, रामकरण वैष्णव, संयोजक रघुवीर वैष्णव दातरदा, भवानीशंकर वैष्णव कुड़यता, संरक्षक शंभूदयाल वैष्णव राजपुरा, निर्माण समिति अध्यक्ष सीताराम वैष्णव, उपाध्यक्ष प्रेमप्रकाश बैरागी, कार्यक्रम प्रभारी रघुवीर शर्मा जैनी, रामभरोस वैष्णव, पूर्व अध्यक्ष रामस्वरूप वैष्णव, मीडिया प्रभारी सुरेश वैष्णव सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

छात्रावास में रहकर पढ़ने वाले बच्चों को लेकर हुआ निर्णय: बैठक में छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले बच्चों को रखने को लेकर भी निर्णय लिया गया। इस छात्रावास भवन में 20 बच्चे रखे जाएंगे। 20 किमी दूर गांव से आने वाले और अच्छे अंकों से पास होने वाले बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा छात्रावास में रहने वाले बच्चों से बिजली बिल शुक्ल के रूप में 500 रुपए प्रति छात्र से लिए जाने का निर्णय लिया गया है।

जिले में ई-विकास प्रणाली से उर्वरक वितरण, किसानों के लिए डिजिटल सुविधा

बगैर फार्मर आईडी वाले किसान भी प्राप्त कर सकते हैं ई-टोकन

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशानुसार जिले में किसानों को उर्वरक वितरण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए ई-विकास प्रणाली के माध्यम से शत-प्रतिशत उर्वरक वितरण किया जा रहा है। उपसंचालक कृषि जीके पचौरिया ने इस संबंध में बताया कि ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किसान घर बैठे डिजिटल टोकन जनरेट कर उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। आधार एवं मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण कर किसान ई-टोकन बुक कर सकते हैं तथा उन्हें एसएमएस और मोबाइल एप के जरिए जानकारी भी प्राप्त होती है। पोर्टल पर पंजीकृत किसान से संबंधित प्रकरणों का सत्यापन राजस्व अधिकारियों द्वारा किया जाता है, जिसके बाद किसान ई-टोकन प्राप्त कर उर्वरक ले सकते हैं। ई-टोकन की

वैधता 72 घंटे निर्धारित की गई है। इस अवधि में उर्वरक प्राप्त नहीं करने पर ई-टोकन स्वतः ही निरस्त हो जाता है, इसके बाद नया टोकन बनाना होगा। जिन किसानों के पास ई-टोकन नहीं है, और फार्मर आईडी नहीं बनी है, वे वन अधिकार पट्टा, राजस्व पट्टा, सिकमी किसान, मृत किसान की भूमि, वृद्ध, दिव्यांग किसान, मंदिर, धार्मिक संस्था की भूमि विशेष प्रयोजन आदि में किसान संबंधित एसडीएम के सत्यापन उपरांत ई-टोकन प्राप्त कर उर्वरक का उखव कर सकते हैं। किसान स्वयं, एमपी ऑनलाइन अथवा कियोस्क सेंटर के माध्यम से भी टोकन जनरेट करा सकते हैं। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे सही समिति अथवा विवरण केंद्र का चयन कर डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत पुलिस ने चलाया जनजागरुकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी नुक़ड़ नाटक से किया जागरूक

समय जगत, कटनी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में जिलेभर में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत झुग्गी-झोपड़ियों, चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों, स्कूलों और महाविद्यालयों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के दौरान आमजन, विशेषकर नशे के आदी लोगों और उनके परिजनों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। साथ ही नशामुक्त पुनर्वास केंद्रों की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर उपचार एवं पुनर्वास सुविधाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। नशे



की लत से पीड़ित व्यक्तियों को परामर्श और चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करने संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। पुलिस द्वारा सावकर वार्ड एवं

वेंकट वार्ड, नयागांव, सरलानगर झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र, गुरु हरिकिशन स्कूल, ग्राम जिर्री, राजा सलैया, थाना बाकल एवं बहोरीबंद क्षेत्र की झुग्गी-झोपड़ियों,

ग्राम डुंगरिया, झिंझरी, पिपरोध, परेवागार और जुनवानी सहित कई स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा शासकीय स्कूल एनकेजे, बरही महाविद्यालय, मदारी टोला शासकीय प्राथमिक विद्यालय बड़वारा तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कटनी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।



अमझेरा। पुलिस विभाग के द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत

मनावर चोराह पर चलित वाहन से वीडियो सन्देश एवं नशे के दुष्प्रभाव को बताया गया एवं कलाकारों के

द्वारा नुक़ड़ नाटक का मंचन किया गया। थाना प्रभारी राजू मकवाना ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत आयोजन करके लोगों को जागरूक किया जा रहा है अधिकांश अपराध नशे की हालत में होते है समाज मे नशा मुक्ति से बदलाव आया जिससे अपराध की संख्या भी कम होगी। इस दौरान पुलिस थाने के प्रधान आरक्षक दिनेश भाभर, आरक्षक नीरज जाट, लाल सिंह एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई।

फसल बीमा प्रीमियम की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय श्योपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम खरीफ 2026 हेतु किसानों की अधिमूर्चित फसलों का बीमा किया जा रहा है, कृषकों का प्रीमियम नामे क्रिये जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। उप संचालक कृषि जीके पचौरिया ने बताया कि फसल ऋण लेने वाले ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का बीमा बैंकों द्वारा किया जाता है तथा ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का फसल बीमा सीएससी अर्थात नागरिक सुविधा केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है।

होटल इंद्रलोक पैलेस में इनर व्हील क्लब के नए सत्र का शपथ एवं पदग्रहण समारोह संपन्न

मुरैना। इनर व्हील क्लब के नए सत्र (2026-27) का शपथ एवं पदग्रहण समारोह होटल इंद्रलोक पैलेस में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) श्रीमती दीपाती चंदेलिया रहें। विशिष्ट अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी श्रीमती अलका भार्गव तथा पास्ट डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर डॉ. विमल गर्ग उपस्थित रहें। कार्यक्रम में क्लब की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती करुणा जैन, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्याओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती श्वेता

माहेश्वरी ने परंपरा के अनुसार नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती प्रतीक्षा बादिल को अध्यक्षीय कॉलर पहनाकर पदभार सौंपा तथा नए सत्र की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष श्रीमती प्रतीक्षा बादिल, सचिव डॉ. मीनाक्षी माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष श्रीमती भावना मित्तल, आईएसओ डॉ. सुधा माहेश्वरी तथा सी.सी. श्रीमती रंजिता शिवहरे ने अपने-अपने पद एवं दायित्व ग्रहण किए।

इस अवसर पर क्लब में पाँच नए सदस्यों डॉ. मीरा बादिल, डॉ. रुचि गुप्ता, श्रीमती भावना मंगल, श्रीमती अलका



बंसल एवं श्रीमती शिल्पा गर्ग का विधिवत स्वागत किया गया। सभी नवसदस्यों ने सेवा, मित्रता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व

की भावना के साथ क्लब की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट

अतिथियों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी क्लब की सेवा गतिविधियों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी। समारोह में उपस्थित सदस्यों ने नवपदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया तथा अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ।

उत्कृष्ट विद्यालय मुरैना को दी मिनी साइंस सेंटर की सौगात

समय जगत, मुरैना। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, मुरैना में सोमवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। एमपी ऑनलाइन लिमिटेड, भोपाल के सहयोग से स्थापित मिनी साइंस सेंटर का विधिवत लोकार्पण किया गया। इसी अवसर पर विद्यालय में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर लैब का भी शुभारंभ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी बी. एस. इंदोलिया थे, जबकि एमपी ऑनलाइन की डीईजी हेड श्रीमती आरती श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य मुकेश कुमार शांडिल्य ने की। इस अवसर पर जिला व्यावसायिक शिक्षा समन्वयक अलोक कुमार वर्मा सहित एमपी ऑनलाइन के लक्ष्मण साहू, नितेश ठाटे, शैलेंद्र डंडोलिया, रघुराज तोमर एवं विवेक शर्मा उपस्थित रहे। प्राचार्य मुकेश कुमार शांडिल्य ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक एवं कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नशा मुक्ति भारत अभियान 2.0 के तहत शासकीय महाविद्यालय रितैराकला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समय जगत, मुरैना। भारत सरकार के नशा मुक्ति भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय रितैरा कला, जिला मुरैना में विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विवेकानंद झा के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा सकारात्मक सोच को अपने जीवन का आधार बनाएं। डॉ. झा ने कहा कि युवा वर्ग देश की सबसे बड़ी शक्ति है और यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करें, तो राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। कार्यक्रम का मुख्य व्याख्यान सहायक प्राध्यापक (राजनीतिशास्त्र) श्रीमती दीप्ति जादौन ने प्रस्तुत किया। उन्होंने नशा मुक्ति भारत अभियान 2.0 के उद्देश्यों एवं इसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य युवाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वस्थ जीवनशैली का विकास करना है। उन्होंने तंबाकू, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी।



सार-समाचार निर्माण कार्यो में गुणवत्ता से समझौता नहीं समय-सीमा में कार्य पूरे करने के निर्देश



समय जगत, सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सोमवार को जिले के विभिन्न निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्माण कार्यो की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य केवल समय पर पूरा होना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों का पालन भी अनिवार्य है। बैठक में छात्रावास, स्कूल भवन, आश्रम, सड़क, पुल और पुलिसा सहित विभिन्न निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पूर्ण हो चुके भवनों को शीघ्र संबंधित विभागों को हस्तांतरित करने तथा धीमी गति से चल रहे कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण स्थलों पर सुरक्षित डायवर्जन, सूचना पटल और चेतावनी संकेतक लगाने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यो में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। लापरवाही या मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्माचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजली शाह सहित विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शांति शिखर में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान पारिवारिक मूल्यों पर दिया गया जोर



सिवनी। पुलिस मुख्यालय भोपाल की पहल एवं पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालवदानी के मार्गदर्शन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के शांति शिखर, सिवनी में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय आधुनिक समय में पारिवारिक मूल्यों के संवर्धन में समाज, संस्कृति एवं पुलिस की भूमिका रहा। प्रभारी पुलिस नियंत्रण कक्ष निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार और समाज की सकारात्मक भूमिका से युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने नशा मुक्ति के लिए सामूहिक सहभागिता का आह्वान करते हुए हेल्पलाइन 14446, साइबर हेल्पलाइन 1930 और आपातकालीन नंबर 1933 की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में प्रभारी साइबर सेल एसएसआई देवेंद्र जायसवाल ने सोशल मीडिया व मोबाइल की लत, ऑनलाइन गैमिंग, वित्तीय साइबर धोखाधड़ी तथा साइबर सुरक्षा पर जागरूक किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान की ज्योति दीदी, गीता दीदी, नीतू दीदी सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से आए 1000 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

मोहन गुर्जर ने हरदा जिले का नाम किया रोशन



समय जगत, हरदा। जिले की टिमरनी तहसील के ग्राम छोटी छीपानेर के गुर्जर (पुआर) परिवार का नाम फिर चमक उठा। मनमोहन रिता दुर्गाप्रसाद गुर्जर ने दुनिया की कठिन परीक्षाओं में से एक आल इंडिया बार परीक्षा उत्तीर्ण करके माता पिता और परिवार का मान तो बढ़ाया साथ ही ग्राम छोटी छीपानेर के साथ ही हरदा जिले का नाम भी रोशन किया। मनमोहन गुर्जर के परिवार ने खुशी का माहौल है। मनमोहन के पिता दुर्गाप्रसाद गुर्जर ने बताया कि बिना चिंता किये कर्म व अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहोगे तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी और भरे बेटे ने वो कर दिखाया। साथ ही ग्राम के बड़े बुजुर्गों ने बधाईया व अपना आशीष देकर गर्व महसूस किया।

भगवान नेमिनाथ का 22 किलो का लड्डू समर्पित कर मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

समय जगत, मंडीदीप। औद्योगिक नगर में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ का पावन मोक्ष कल्याणक महोत्सव नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति द्वारा श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक



कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर क्षेत्र के अध्यक्ष विमल जैन राजदीप एवं सचिव आशु जैन ने बताया कि महावीर नगर स्थित श्री दिगम्बर जैन नेमिनाथ मंदिर में ब्रह्मचारी अमित भैया के निर्देशन में प्रातःकाल मांगलिक क्रियाओं के साथ भगवान नेमिनाथ का महामस्तकाभिषेक प्रारंभ जल से विनोद जैन तमोटे परिवार, सौरव जैन परिवार, भैयालाल जैन सत्येंद्र जैन परिवार तथा अजीत जैन (भोपाल) परिवार द्वारा सम्पन्न कराया गया। इसके पश्चात विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना के साथ

समर्पण भाव से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कमलेश कुमार जैन परिवार द्वारा भगवान को 22 किलो का निर्माण लड्डू समर्पित कर निर्माण महोत्सव मनाया गया। पूजन के दौरान महिला श्रद्धालुओं ने एक से बढ़कर एक भक्ति-भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालु भक्तिसर में सरावह होकर झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसी क्रम में सुमेरुचंद जैन परिवार द्वारा श्री नेमिनाथ विधान का आयोजन किया गया, जिसमें महाअर्घ्य समर्पण, शांतिपाठ एवं विसर्जन विधि के साथ पूजन सम्पन्न हुआ।

पारुल जैन परिवार तथा कमल कुमार जयंत कुमार जैन परिवार द्वारा विधिवत शांतिधारा सम्पन्न कर भगवान को चंवर ढुलाए गए। अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत इन्द्र-इन्द्राणियों ने देव, शास्त्र एवं गुरु की पूजा करते हुए अष्टद्वयों से भगवान नेमिनाथ की श्रद्धा, भक्ति एवं

पीएम-उषा परियोजना के अंतर्गत हो रहा है पांच दिवसीय आयोजन

ग्राफिक्स डिजाइनिंग कार्यशाला का हुआ शुभारंभ



समय जगत, हरदा। भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय स्नातक महाविद्यालय टिमरनी में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान पीएम उषा परियोजना के अंतर्गत संस्था द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ग्राफिक्स डिजाइनिंग कार्यशाला का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक ग्राफिक्स डिजाइनिंग के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.के. जैन द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर पीएम उषा प्रभारी डॉ.अरुण कुमार सिकरवार ने कार्यशाला की उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण

कार्यक्रम उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्था के पधारे एचओडी (मल्टीमीडिया विभाग) मुकेश खरोनिया ने कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पांच दिवसीय प्रशिक्षण की विषयवस्तु, प्रशिक्षण पद्धति तथा विद्यार्थियों को मिलने वाले व्यावहारिक अनुभव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के

दौरान विद्यार्थियों को आधुनिक ग्राफिक्स डिजाइनिंग टूल्स एवं तकनीकों का प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। कार्यशाला के ट्रेनर एकसपट्र जयंत मालवीय ने ग्राफिक्स डिजाइनिंग के विविध आयामों, डिजाइन के मूल सिद्धांतों, रंग संयोजन, टाइपोग्राफी, पोस्टर एवं सोशल मीडिया क्रिएटिव निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण की विषयवस्तु से

विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर अनय कुमार चौबे ने प्रशिक्षण के संचालन एवं गतिविधियों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज खैरनार ने प्रभावी रूप से किया। इस कार्यशाला के माध्यम से महाविद्यालय के लगभग साठ विद्यार्थी लाभान्वित होंगे, जिन्हें पांच दिनों तक सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर एचओडी कॉमर्स विभाग डॉ. जयश्याम, डॉ. शीतल श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपक मालाकार ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने कार्यशाला के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए इसे अपने करियर एवं कौशल विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

प्रतीय सक्तता आयोग यानी सर्वोपेस
क पास हर साल सरकारी तंत्र की
अभ्याचतों भरुछतारी और भ्रुछतारी न्याय की
अभ्याचतों पहुँचती है लेकिन अजयोर का
कछुआ गति इस शोषण को और
बढ़ाती है। रिफिजिन चार्टर यानी
गागरिक अभिचर और जैसी
व्यवस्थाएँ केवल फइलों पत्र दीवारों
पर शोभा बढ़ा रही हैं, धरातल पर
अनकी जवाबदेही तय करने वाला
क्रोड नहीं है। यदि समय रहते इस
नरंक्रुश प्रशासिक तंत्र पर लगाम
करी शर्सी गई तो कायंपालिका के ये
ग्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी समूची
लोकतातािक व्यवस्था को ही उदरस्थ
कर लेंगे। ऐसी विकट परिस्थितयों में
आम आवाग को स्वयं ही जागरूक
ना होगा। जब तब देश का आम
गागरिक मूकदर्शक बनकर जाति,
मूल, क्षेत्र या हारमखोरी के जाल में
संस्कर अपना वोट बेचता रहता, तब
कहा यह व्यवस्था ऐसे ही शोषित
करती रहेगी वास्तविकता तो यह है
के लोकतंत्र में आम आवाग प्रजा
ही बलिक स्वामी है और अधिकारी
नरंजनसेक। इस बार बस इतना ही।
अभाले साप्ता एक नई आहत के साथ
र मुलकात होगी।

साल-समाचार दिल्ली भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी हुई घोषित

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अनुमति और राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद दिल्ली भाजपा ने प्रदेश पदाधिकारियों की नई सूची जारी कर दी है। उपाध्यक्ष और महामंत्री समेत कई अहम पदों पर नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली प्रदेश संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए नए प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अनुमति और राष्ट्रीय नेतृत्व से विचार–विमर्श के बाद जारी सूची में उपाध्यक्ष, महामंत्री समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

मुख्यमंत्री ने स्व.गुरनाम सिंह गुर्जर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

समय जगत, चंडीगढ़। भाजपा जिला अंबाला कार्यकारिणी सदस्य, शंजहादपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं ब्लॉक समिति शहजादपुर के पूर्व चेयरमैन गुरनाम सिंह गुर्जर का 17 जुलाई को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को जिला अंबाला के गांव धनाना स्थित स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर की पाखिब देह पर शॉल आढ़ाकर तथा भारतीय जनता पार्टी का ध्वज अपिंत कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

टप्पेबाजों की तलाश में दिल्ली और राजस्थान पहुंची पुलिस

साहिबाबाद। इंस्टाग्राम पर भ्रामक विज्ञापन प्रसारित कर हरियाणा के चकरपुर निवासी तपश दास से 11 लाख की टप्पेबाजी करने वाले दो आरोपियों की लोकेेशन दिल्ली और राजस्थान में मिली है। पुलिस की टीम गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। वहीं गिरोह के तीसरे सदस्य को टीम अब तक ट्रेस नहीं कर पाई है। गैंग के दो आरोपी सुशील कुमार और आदर्श को साहिबाबाद पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। तपश दास ने इंस्टाग्राम पर सस्ते धाम में सोना खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क किया था। आरोपियों ने 100 ग्राम 24 कैरेट सोना 11 लाख रुपये में देने का सौदा किया। सोना लेने के लिए आरोपियों ने उन्हें साहिबाबाद बुलाया लेकिन आरोपी बिना सोना दिए असली नोट की गड़ियों से नकली नोट बदलकर 11 लाख रुपये की चालत लगाई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार विज्ञापन नितेश नाम के व्यक्ति की इंस्टाग्राम आईडी से प्रसारित किया जा रहा था।

लोगों द्वारा सुरक्षा मानकों के पालन पर दिया गया जोर

गाजियाबाद। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर रविवार को नेहरू नगर स्थित इम्पीरियल गुलमोहर वसंत के निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बिल्डर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारे लगाए। इस मौके पर निवासियों ने कहा कि फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल एवं स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट, लिफ्ट सुरक्षा प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक सुरक्षा मानक लंबे समय से लंबित हैं।

कांवड़ यात्रा में यातायात व सुरक्षा व्यवस्था के दिए सुझाव

इंद्रियापुरम। इंद्रियापुरम थाने में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित व व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने स्थानीय लोगों के साथ रविवार को बैठक की। थाना प्रभारी अजय चौधरी ने सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न आरक्षकत्व के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने अपने सुझाव दिए। इंद्रियापुरम वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक धीरज शर्मा ने यातायात निरीक्षक के सामने प्रमुख स्थानों पर यातायात व सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का सुझाव रखा।

ओबीसी महासभा के ऐतिहासिक विधानसभा घेराव में उमड़ जनसैलाब

समय जगत, भोपाल। मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की पूर्ण बहाली एवं 13वें होड्ड समाप्त करने की मांग को लेकर आज ओबीसी महासभा के नेतृत्व में भोपाल के रोशनपुरा वीरगढ़ा पर विशाल विधासभा घेराव आयोजित किया गया। इस आंदोलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में ओबीसी वर्ग के युवा, महिलाएं छात्र, किसान, कर्मचारी, व्यापारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संचालित किया गया। आंदोलनकारी हाथों में तिरंगा और संविधान लेकर अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे थे तथा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने और 13 प्रतिशत होल्ड समाप्त करने की मांग कर रहे थे। जब आंदोलनकारी विधानसभा की ओर शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे थे, तब पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें रोकने के लिए वाटर कैन का प्रयोग किया गया तथा लाठीचार्ज भी किया गया। इस कारंबाई में अनेक आंदोलनकारियों को चोट आई, जिससे पूरे ओबीसी वर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है। ओबीसी महासभा ने कहा कि अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग करना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। शांतिपूर्ण आंदोलन पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत है। सरकार यदि संवाद के स्थान पर दमन का रास्ता अपनाएगी तो इससे ओबीसी वर्ग का संघर्ष और अधिक मजबूत होगा। महासभा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मामला न्यायालयों में लंबित है। लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद समाधान की दिशा में अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है। ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमटी सदस्य लोकेंद्र गुर्जर ने कहा कि आज का विधानसभा घेराव ओबीसी वर्ग के स्वाभिमान, संवैधानिक अधिकार और सामाजिक न्याय की लड़ाई का ऐतिहासिक अध्याय है। हजारों लोगों की भागीदारी है यह स्पष्ट कर दिया है कि अब ओबीसी वर्ग अपने अधिकारों के लिए पूरी तरह संगठित और निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है।

दिल्ली {

हरियाणा में नशा मुक्ति को दें जन आंदोलन का रूप: मुख्यमंत्री

समय जगत, चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज, संस्कार और मानवता की रक्षा का अभियान है। उन्होंने कहा कि नशा अनेक परिवारों को बर्बाद कर रहा है और युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है। ऐसे में इसे जनभागीदारी के माध्यम से जन आंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को करनाल स्थित हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में आयोजित एक पुलिस, एक संकल्प इत्रस मुक्त हरियाणा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। हरियाणा पुलिस के सभी थाना प्रभारियों (एसएचओ) के साथ आयोजित इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के संकल्प को और सुदृढ़ करना तथा इस दिशा में प्रभावी रणनीति तैयार करना था। मुख्यमंत्री ने नोट परनीला में सफलता प्राप्त करने वाले सुपर-100 कार्यक्रम के 70 विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इनका मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि इनमें अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर एवं साधारण परिवारों से हैं।

गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए सरकार कर रही है काम : मुख्यमंत्री नायब सिंह



समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अलमस्त बापू लाल बादशाह जी का जीवन प्रेम, भाईचारे, मानवता और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उनका संदेश था कि जहां सच्चा प्रेम होता है, वहां भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं होता। मुख्यमंत्री सोमवार को जालंधर के नकोदर में स्थित दरबार बापू लाल बादशाह जी पर मनाये जा रहे 43वें तीन दिवसीय मेले में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान बापू लाल बादशाह दरगाह के गद्दीशीन एवं पूर्व सासद श्री हंसराज हंस भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि अलमस्त बापू लाल बादशाह जी की पावन धरती नकोदर में आकर उन्हें अत्यंत सौभाग्य और गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल पर शीश नवाते का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने आगोजन समिति तथा प्रसिद्ध गायक श्री हंसराज हंस का आमंत्रण एवं आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने

कहा कि पंजाब और हरियाणा दो अलग-अलग राज्य अवश्य हैं, लेकिन दोनों की सांस्कृतिक विरासत, गुरु परंपरा और सामाजिक रिश्ते समान हैं। दोनों प्रदेश एक ही परिवार के दो भाइयों की तरह हैं और संदेव प्रेम, भाईचारे तथा आसपी सद्भाव की भावना के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी कामना है कि जिस प्रकार हरियाणा विकास के पथ पर अग्रसर है, उसी प्रकार पंजाब भी तेजी से प्रगति करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ करे। उन्होंने बापू लाल बादशाह जी के चरणों में दोनों राज्यों की खुशहाली, समृद्धि और देश की उन्नति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बापू लाल बादशाह जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा अंत्योदय के संकल्प को साकार करना है।

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में 29 खिलाड़ियों ने जीते पदक

180 खिलाड़ियों ने लिया भाग, लेकर अपनी प्रतिभा का किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

गुरुग्राम। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में छठी योगासन खेल चैंपियनशिप का आयोजन रविवार को रेलवे स्टेशन स्थित अग्रवाल धर्मशाला में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं योग संस्थानों के करीब 180 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के सचिव एवं आयुष विभाग में योग सहायक अजीत कुमार सोलंकी ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-10, 10-14, 14-18, 18-28, 28-35, 35-45 एवं 45-55 वर्ष आयु वर्ग में पारंपरिक योगासन, आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पेयर तथा दिग्मिक पेयर स्पर्धाएं आयोजित की गईं। लड़कियों के पारंपरिक योगासन वर्ग में 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग में इशिता प्रथम, यशवी द्वितीय और अनुष्का तृतीय स्थान पर रहीं। 14 से 18 वर्ष वर्ग में निलाक्षी ने पहला, भूमि ने

दूसरा और भूमिका ने तीसरा स्थान हासिल किया।

आइएएस (सेवानिवृत्त), राज्य मुख्य आयुक्त, हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने महामहिम राज्यपाल को गत एक वर्ष के दौरान संगठन द्वारा किए गए कार्यों, सदस्यता विस्तार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, युवा विकास गतिविधियों, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धियों तथा भविष्य की कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने सदस्यता वृद्धि, प्रशिक्षण, सेवा कार्यों तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियों

प्राप्त कर पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इस अवसर पर राज्यपाल ने

हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों को वारंट ऑफ ऑपेंटमेंट प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्काउट्स, गाइड्स एवं पदाधिकारियों को विभिन्न पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। इन पुरस्कारों में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन, जम्बूरियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों तथा स्काउटिंग एवं गाइडिंग के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाने वाले सम्मान शामिल थे।



विश्वास को और मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के विरुद्ध प्रभावी कारंबाई के साथ-साथ जागरूकता, संवेदनशीलता और पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। जब पुलिस, परिवार, शिक्षक, चिकित्सक, सामाजिक संगठन, मातृशक्ति और युवा शक्ति एकजुट होकर कार्य करेंगे, तभी नशा मुक्त हरियाणा का लक्ष्य साकार होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा को खेलों का हब बनाना है, ताकि युवा

इसे हर व्यक्ति अपने जीवन का हिस्सा बनाएं स्वच्छता जनभागीदारी का सबसे बड़ा है माध्यम: पंवार

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को पानीपत में इसराना विधानसभा क्षेत्र के गांव वैसर में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं स्वच्छता अभियान में भाग लेकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया तथा उपस्थित जनसमूह से अपने गांव, गली, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 171 गरीब एवं पात्र परिवारों को आवंटन पत्र भी वितरित किए। मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामंदाह्यदािजक और नैतिक दायित्व है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत नहीं बनाएगा, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ भारत का सपना पूरी तरह साकार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने पूरे देश में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है और हरियाणा सरकार भी इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आता है। गांवों में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होने से पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक विकास को नई गति मिलती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे खुले में कूड़ा फेंकने की प्रवृत्ति छोड़ें, कूड़े का उचित प्रबंधन करें तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। विकास एवं पंचायत मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पंचायतों को अधिक सशक्त बनाया जा रहा है तथा गांवों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, नालियां, सामुदायिक भवन, खेल सुविधाएं



और अन्य मूलभूत विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्य करवाना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक गांव को आत्मनिर्भर, स्वच्छ और आधुनिक बनाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रत्येक गरीब परिवार का अपना पक्का घर होना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र परिवार

आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से आज गांव वैसर में 171 पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटन पत्र सौंपे गए हैं।

उन्होंने लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपना घर केवल एक भवन नहीं होता, बल्कि यह परिवार के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार होता है। उन्होंने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रही है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की जा रही हैं। मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को निदेश दिए कि स्वच्छता अभियान को नियमित जनआंदोलन के रूप में संचालित किया जाए तथा पंचायतों के सहयोग से गांवों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाए।

पुलिस ने ठगी मामले के आरोपियों को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। टेलीग्राम पर निवेश के नाम पर 2.71 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। गिरफ्तार हुए आरोपी की पहचान हापुड़ के मिल्क गांव निवासी सौरभ तोमर और जिला चित्रकूट के गुरेला गांव निवासी विजय कुमार त्रिपाठी के रूप में हुई है। 20 मार्च को पुलिस को पीछित ने दी शिकायत में बताया था कि उन्हें फेसबुक के माध्यम से टेलीग्राम चैनल से जोड़ा गया था। ऑनलाइन टास्क पूरे कर कमीशन कमाने का लालच देकर उनसे 2.11 लाख रुपये टाग लिए। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों आरोपियों को उरार प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर से गिरफ्तार किया है।पुलिस एडुताइज में पता चला कि ठगी गई राशि में से 30 हजार रुपये सौरभ तोमर के बैंक खाते में आए थे। आरोपी सौरभ ने पृष्ठलाइियों में बताया कि उसने अपना बैंक खाता पांच हजार रुपये में आरोपी विजय कुमार त्रिपाठी को उपलब्ध कराया था। आरोपी विजय कुमार त्रिपाठी ने बैंक खाते को आगे साइबर ठगी करने वाले अन्य व्यक्तियों को 10 हजार रुपये में बेच दिया था।

जिले ने ताइववांडे चैंपियनशिप में जीते 18 पदक

फरीदाबाद। कुरुक्षेत्र में आयोजित तीसरी हरियाणा खज् जूनियर और फ़ेशंस ताल्लुका चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 पदक अपने नाम किए हैं। रविवार को प्रतियोगिता के तीसरे और आखिरी दिन खिलाड़ियों ने कंडे मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसमें जिले के खिलाड़ियों ने अलग-अलग भार वर्ग में हिस्सा लिया और पौडियम पर जगह बनाई। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रकृति शर्मा ने अपनी श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वहीं, बच्चों की श्रेणी में भी गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वालों में देवाशी खटाना और विवान नेगी शामिल रहे, जिन्होंने फाइनल मुकाबले तक कड़ी टक्कर दी।

राज्यपाल ने पदाधिकारियों को वारंट ऑफ अपॉइंटमेंट एवं राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार किए प्रदान



अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में महामहिम राज्यपाल ने हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा युवा चरित्र निर्माण, राष्ट्र सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय

मूल्यों के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर नरेश कौशल, संपादक, श्रीमती धीरा खण्डेलवाल, आईएएस

(सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष, हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स; श्रीमती आशिमा बरार, आईएएस; श्रीमती अमनोत्त पी. कुमार, आईएएस; प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, महेन्द्रगढ़; प्रो. (डॉ.) देवेन्द्र सिंह, कुलपति, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत; श्री आर.के. गुप्ता, प्रो-वाइस चान्सलर; श्री साकेत कुमार, आईएएस; श्री मणिपारम शर्मा, आईएएस; श्री विजय कुमार सिद्धप्पा भाविकडी, आईएएस आदि मौजूद रहे।